दैनिक

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-15, अंक -130 जबलपुर, बुधवार 17 जून 2026 कीमत-1 रूपया पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

बीजेपी में बड़े बदलाव की उल्टी गिनती शुरू, नई टीम और राज्यपालों की सूची पर लग सकती मुहर

नई दिल्ली.(आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी में बड़े संगठनात्मक और राजनीतिक बदलावों की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शीर्ष नेताओं की मैराथन बैठक के बाद संकेत मिले हैं कि पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन की नई केंद्रीय टीम का ऐलान कभी भी किया जा सकता है. सूत्रों के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जी-7 शिखर सम्मेलन से लौटने के बाद इस प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा सकता है. इसके साथ ही केंद्र सरकार और राज्यपालों के स्तर पर भी महत्वपूर्ण फेरबदल की संभावना जताई जा रही है.

भाजपा सूत्रों के मुताबिक रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के सरकारी आवास पर हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, आरएसएस के वरिष्ठ पदाधिकारी अरुण कुमार और शिव प्रकाश सहित कई शीर्ष नेता मौजूद रहे. बैठक करीब चार घंटे तक चली और आधी रात के बाद समाप्त हुई. राजनीतिक गलियारों में इस बैठक को भाजपा के आगामी संगठनात्मक पुनर्गठन और व्यापक राजनीतिक रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है. सूत्रों का कहना है कि बैठक में केवल संगठनात्मक बदलावों पर ही चर्चा नहीं हुई, बल्कि सरकार और संवैधानिक पदों से जुड़े संभावित फेरबदल पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया. भाजपा नेतृत्व आने वाले चुनावी वर्षों को ध्यान में रखते हुए संगठन और सरकार दोनों स्तरों पर नई रणनीति तैयार कर रहा है. पार्टी के एक वरिष्ठ सूत्र ने बताया कि अधिक मास की अवधि 15 जून को समाप्त हो चुकी है. परंपरागत रूप से भाजपा और उससे जुड़े कई संगठन इस अवधि में बड़े राजनीतिक या संगठनात्मक फैसलों से बचते हैं. ऐसे में अब संगठनात्मक बदलावों की घोषणा के लिए रास्ता साफ हो गया है. हालांकि यह भी संभव है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 19 जून को विदेश दौरे से लौटने के बाद ही अंतिम घोषणाएं की जाएं. भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की नई टीम को लेकर पार्टी के भीतर लंबे समय से चर्चा चल रही है. माना जा रहा है कि नई टीम में 11 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और छह राष्ट्रीय महासचिवों के पदों पर महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिल सकते हैं. पार्टी इस बार संगठन में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन को प्राथमिकता दे रही है. महिला प्रतिनिधित्व बढ़ाने के साथ-साथ विभिन्न जातीय समूहों को भी पर्याप्त स्थान दिए जाने की संभावना है.

चारधाम श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों में हिंसक झड़प, यात्रा रुकी, बद्रीनाथ हाईवे पर लगा 15 किमी लंबा जाम

चमोली. (आरएनएस)। उत्तराखंड के चमोली जिले के कर्णप्रयाग में मंगलवार 16 जून को हेमकुंड साहिब यात्रा से लौट रहे कुछ सिख श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के बीच विवाद हिंसक झड़प में बदल गया. सिख श्रद्धालुओं ने तलवार निकालकर लोगों पर हमला कर दिया.

घटना की शुरुआत बाजार क्षेत्र में एक बाइक और खड़ी कार की टक्कर से हुई, लेकिन देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए. हिंसक झड़प में कई लोग घायल हुए, जिनमें एक होटल कारोबारी की हालत गंभीर है. उसे बेहतर उपचार के लिए एयरलिफ्ट कर एम्स ऋषिकेश भेजा गया है. घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों और लोगों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए बद्रीनाथ हाईवे पर जाम लगा दिया, जिससे चारधाम यात्रा और बद्रीनाथ धाम जाने वाले यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा. करीब 15 किलोमीटर तक हाईवे पर जाम लग गया.

बाइक- कार की टक्कर से विवाद हेमकुंड साहिब से लौट रहे 5-6 बाइक सवारों का एक जत्था कर्णप्रयाग बाजार से गुजर रहा था. इसी

दौरान एक बाइक सड़क किनारे खड़ी कार से टकरा गई. टक्कर के बाद बाइक सवार और कार मालिक के बीच कहासुनी शुरू हो गई. कुछ ही देर में दोनों पक्षों के लोग मौके पर जमा हो गए और विवाद बढने् लगा. स्थानीय लोगों और यात्रियों के बीच बहस ने जल्द ही उग्र रूप ले लिया और स्थिति मारपीट तक पहुंच गई. घटना के दौरान बाजार क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई. लोगों में दहशत फैल गई. स्थानीय लोगों का आरोप है कि विवाद के दौरान कुछ श्रद्धालु तलवार और अन्य धारदार हथियार लेकर भिड़ गए. झड़प में कई लोगों को चोटें आईं. घायलों को तत्काल कर्णप्रयाग अस्पताल पहुंचाया गया,

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में हाई वोल्टेज ड्रामा, आपस में भिड़ीं दो महिलाएं, जमकर चले लात-घूंसे

जबलपुर। (नगर प्रतिनिधि) शहर के पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आज उस समय हड़कंप मच गया, जब न्याय की गुहार लगाने पहुंचीं दो महिलाएं अचानक आपस में ही भिड़ गईं। साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान हुए इस अप्रत्याशित हंगामे को देख वहां मौजूद अधिकारी और फरियादी दंग रह गए।

जानकारी के अनुसार, दोनों महिलाएं अपनी-अपनी शिकायत लेकर एसपी कार्यालय पहुंची थीं। जनसुनवाई परिसर में किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई। देखते ही देखते विवाद इतना उग्र हो गया कि दोनों महिलाओं ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया। परिसर के भीतर ही दोनों के बीच जमकर मारपीट हुई।

परिसर में मौजूद कई लोगों ने इस पूरी घटना का अपने मोबाइल से वीडियो बना लिया। महिलाओं के बीच सड़क छाप लड़ाई का यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

एसपी कार्यालय के भीतर मारपीट और हंगामे की सूचना मिलते ही तुरंत सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बीच-बचाव करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया और दोनों गुत्थमगुत्था हो रही महिलाओं को हिरासत (अभिरक्षा) में ले लिया। पुलिस दोनों को तत्काल वाहन में बैठाकर सिविल लाइन थाने ले गई। फिलहाल सिविल लाइन थाना पुलिस दोनों महिलाओं से पूछताछ कर रही है और मामले की विस्तृत जांच में जुट गई है।

प्रयागराज में ट्रिपल मर्डर से सनसनी ¬ रात में सोया परिवार, सुबह मिली तीन लाशें, पत्नी, पति और भाभी की मौत

प्रयागराज. संगम नगरी प्रयागराज के मेजा थाना क्षेत्र के कुकुरकटवा गांव में एक ही परिवार के तीन लोगों के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि, सोमवार देर रात अज्ञात हमलावरों ने एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या कर दी। आज मंगलवार सुबह घटना की जानकारी सामने आई, तो आस पास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी जानकारी के मुताबिक, वारदात सोमवार देर रात करीब 1¬30 बजे हुई। मृतकों में एक पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं, जो एक ही परिवार के सदस्य थे। शुरुआती जांच में सामने आया है कि हमलावरों ने पहले धारदार हथियार से ताबड़तोड़ हमला किया

मुख्यमंत्री ने मंत्रि-परिषद् की बैठक से पहले मंत्रीगण को दी सरकार की उपलब्धियों की जानकारी

सबसे पहले मध्यप्रदेश हुआ नक्सलमुक्त, प्रधानमंत्री मोदी ने की प्रशंसा - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (आरएनएस)।- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पूरे देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश ने ही नक्सलवाद को समाप्त किया है। लाल सलाम को आखिरी सलाम करने में मध्यप्रदेश ने बाजी मारी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 11 जून को नई दिल्ली में हुई नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 11वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए मध्यप्रदेश सरकार के विकास के हर मामले में सदैव अग्रणी रहने की क्रियाशीलता की सराहना की। इस वर्ष बैठक का विषय विकसित भारत ञ्च2047 के लिये समावेशी मानव विकास था। पहली बार सभी 28 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने नीति आयोग की शासी परिषद् की बैठक में भाग लिया। उन्होंने बताया कि गवर्निंग काउंसिल की बैठक में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए केंद्र और राज्यों की साझी भागीदारी, समन्वित प्रयासों तथा विकास के विभिन्न आयामों पर व्यापक और सार्थक चर्चा हुई। देश के जो क्षेत्र नक्सलवाद से प्रभावित थे, वहां विकास की गति तेज करने पर चर्चा हुई। भविष्य में युवाओं के विकास पर सरकार का विशेष रूप से जोर रहेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी को मध्यप्रदेश आयुष्मान योजना, नदी जोड़ो परियोजनाओं के क्रियान्वयन, पीएम मित्र पार्क निर्माण सहित अन्य

महत्वपूर्ण विषयों से भी अवगत कराया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद् की बैठक से पहले मंत्रीगण से अनौपचारिक चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने मंत्रीगण को बीते सप्ताह मप्र सरकार को विभिन्न क्षेत्रों में मिली विशेष उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में हो रहे उच्च कोटि के कामों की भी प्रशंसा की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रीगण को बताया कि प्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने के संबंध में नीति निर्माण जनसामान्य के सुझावों मांगे जा रहें है। अच्छी नीति निर्माण के लिए बेहतर जनभागीदारी आवश्यक है। प्रदेशवासियों से अधिक से अधिक संख्या सुझाव आमंत्रित करने के लिए सभी जिलों में जागरूकता अभियान चलाये जायें। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता के बारे में 22 जून तक सुझाव आमंत्रित किये गये हैं। समान नागरिक संहिता की वेबसाइट (ह्वष्ष्.द्वश्च.द्दश1.द्बठ्ठ) पर सुझाव देने की प्रक्रिया भी बहुत सरल है। मुख्यमंत्री ने मंत्रीगण से कहा कि वे अपने-अपने प्रभार के जिलों में समान नागरिक संहिता के संबंध में और उसमें सुझाव देने के लिये अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें।

जबलपुर- नगर निगम के सहायक स्वास्थ्य अधिकारी व ठेकेदार के ठिकानों पर ईओडब्ल्यू की छापामारी

जबलपुर।(नगर प्रतिनिधि) आर्थिक अपराध अन्वेषण प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) जबलपुर की टीम ने मंगलवार सुबह नगर निगम के प्रभारी सहायक स्वास्थ्य अधिकारी पोला राव के ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत के आधार पर न्यायालय से सर्च वारंट प्राप्त करने के बाद ईओडब्ल्यू ने उनके आवास सहित अन्य स्थानों पर एक साथ जांच शुरू की। इस कार्रवाई के तहत नगर निगम से जुड़े एक ठेकेदार के घर पर भी दबिश दी गई है।

ईओडब्ल्यू अधिकारियों के अनुसार प्रारंभिक जांच में पोला राव के नाम पर

एक फ्लैट, लगभग 10 हजार वर्गफुट का भूखंड, आंध्र प्रदेश में खरीदी गई कृषि भूमि, चार दोपहिया वाहन तथा एक चारपहिया वाहन होने की जानकारी सामने आई है। इसके अलावा बैंक खातों, बीमा पॉलिसियों और नकद लेन-देन से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जांच टीम के हाथ लगे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि बरामद संपत्तियों और दस्तावेजों का विस्तृत परीक्षण किया जा रहा है। जांच एजेंसियां अधिकारी की वैध आय के स्रोतों और अर्जित संपत्तियों के बीच संभावित असमानता का आकलन कर रही हैं।

फिलहाल ईओडब्ल्यू की सर्चिंग कार्रवाई जारी है और जांच पूरी होने के बाद ही आय से अधिक संपत्ति के वास्तविक आंकड़ों का खुलासा हो सकेगा। मामले में आगे की कार्रवाई जांच रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी।

हाईकोर्ट चौराहे पर मेट्रो बस ने बाइक सवार को मारी टक्कर, पैरों में पहुंची गंभीर चोट

जबलपुर.(नगर प्रतिनिधि) हाई कोर्ट चौराहे के पास मंगलवार 16 जून की सुबह एक मेट्रो बस की टक्कर से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दुर्घटना के बाद बस चालक ने वाहन नहीं रोका और बस लेकर मौके से फरार हो गया।

घटना के समय वहां मौजूद एक युवक ने घायल की मदद करते हुए उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया तथा पुलिस को सूचना देकर आवश्यक कार्रवाई में सहयोग किया पुलिस ने मामला दर्ज कर बस और चालक की तलाश शुरू कर दी है तथा आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। घटना के संबंध में

बताया जाता है कि हाईकोर्ट चौराहे पर लगातार जाम की स्थिति बनी रहती है. इसी दौरान एक मेट्रो बस वहां से गुजर रही थी, तभी एक बाइक सवार युवक उसकी चपेट में आ गया. युवक के पैरों में काफी चोटें पहुंची हैं, उसे अस्पताल ले जाया गया है.

करोड़ों की ड्रग्स बरामदगी का दावा पड़ा उल्टा

एमपी के दो टीआई समेत 90 से ज्यादा पुलिसकर्मियों पर एफआईआर के आदेश

आगर मालवा/झालावाड़. (आरएनएस)। मध्य प्रदेश की चर्चित एनडीपीएस कार्रवाई अब खुद कानूनी जांच और विवादों के केंद्र में आ गई है. जिस कार्रवाई को आगर मालवा पुलिस ने प्रदेश की सबसे बड़ी ड्रग्स बरामदगी में शामिल बताते हुए बड़ी सफलता के रूप में प्रचारित किया था, उसी मामले में अब दो तत्कालीन थाना प्रभारियों समेत 90 से अधिक पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है. राजस्थान के झालावाड़ जिले स्थित चौमहला न्यायालय के आदेश के बाद डग थाने में यह मामला दर्ज किया गया है. न्यायालय ने उपलब्ध दस्तावेजों, जांच रिपोर्ट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया गंभीर अनियमितताएं पाते हुए यह कार्रवाई की है. इस घटनाक्रम ने मध्य प्रदेश और राजस्थान दोनों राज्यों में पुलिस कार्यप्रणाली को लेकर नई बहस छेड़ दी है.

जानकारी के अनुसार पूरा मामला 28 जनवरी 2026 का है. उस दिन एमपी के आगर मालवा कोतवाली पुलिस ने राजस्थान के झालावाड़ जिले के डग थाना क्षेत्र के ग्राम घाटाखेड़ी में छापेमारी कर करीब पांच करोड़ रुपए मूल्य की एमडी ड्रग्स, ड्रग्स निर्माण में उपयोग होने वाले रसायन और मशीनरी बरामद करने का दावा किया था. पुलिस ने इस कार्रवाई में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया था. उस समय पुलिस अधिकारियों ने प्रेसवार्ता कर इसे प्रदेश की बड़ी उपलब्धि बताया था और दावा किया था कि एक बड़े ड्रग्स नेटवर्क का खुलासा किया गया है. मामले को व्यापक प्रचार मिला और इसे एनडीपीएस एक्ट के तहत बड़ी कार्रवाई माना गया.

हालांकि कुछ समय बाद इस कार्रवाई पर सवाल उठने लगे. घाटाखेड़ी निवासी 75 वर्षीय हमीद खान ने चौमहला स्थित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत करते हुए आरोप लगाया कि पूरी कार्रवाई झूठी, मनगढ़ंत और कानून की निर्धारित प्रक्रियाओं के विपरीत थी. परिवादी ने न्यायालय को बताया कि मध्य प्रदेश पुलिस बिना किसी वैधानिक सूचना के राजस्थान के गांव में पहुंची और स्थानीय पुलिस को विश्वास में लिए बिना कार्रवाई की. शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि पुलिस ने घर में प्रवेश कर तोड़फोड़ की, परिजनों के साथ अभद्र व्यवहार किया और बाद में झूठा एनडीपीएस प्रकरण तैयार कर दिया.

परिवाद में कहा गया कि बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी गांव पहुंचे थे और परिवार के लोगों को अपने साथ ले गए थे. शिकायतकर्ता ने दावा किया कि पूरी कार्रवाई पूर्व नियोजित थी और वास्तविक तथ्यों से उसका कोई संबंध नहीं था. मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने स्वतंत्र जांच कराने के निर्देश दिए. इसके बाद झालावाड़ पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से पुलिस उप-अधीक्षक स्तर के अधिकारी से पूरे मामले की जांच कराई गई. जांच के दौरान कई ऐसे तथ्य सामने आए जिन्होंने पुलिस के दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए. जांच रिपोर्ट के अनुसार पुलिस द्वारा प्रेसवार्ता में जिन सामग्रियों की बरामदगी का उल्लेख किया गया था, उनमें से कई वस्तुएं जब्ती पंचनामे और आधिकारिक दस्तावेजों में दर्ज नहीं मिलीं. इससे बरामदगी के दावों और रिकॉर्ड के बीच विरोधाभास सामने आया. जांच अधिकारियों ने यह भी पाया कि कार्रवाई की वीडियोग्राफी होने का दावा किया गया था, लेकिन उसका कोई स्पष्ट और प्रमाणिक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराया जा सका.इतना ही नहीं, तलाशी, गिरफ्तारी और जब्ती प्रक्रिया से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज भी जांच के दौरान अनुपलब्ध पाए गए. एनडीपीएस एक्ट के मामलों में प्रक्रिया का पालन अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर बरामदगी और गिरफ्तारी की वैधता तय होती है. ऐसे में दस्तावेजों की अनुपलब्धता ने पूरे मामले को संदेह के घेरे में ला दिया. न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों ने मामले को और अधिक गंभीर बना दिया. उपलब्ध फुटेज के अनुसार मध्य प्रदेश पुलिस के वाहन ग्राम घाटाखेड़ी में शाम 4 बजकर 19 मिनट से 4 बजकर 49 मिनट तक ही मौजूद रहे. जबकि पुलिस रिकॉर्ड में मादक पदार्थों की जब्ती का समय शाम 5 बजकर 40 मिनट दर्शाया गया था. न्यायालय ने इस समय अंतर को महत्वपूर्ण मानते हुए पुलिस कार्रवाई की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाया. अदालत ने माना कि उपलब्ध तकनीकी साक्ष्य और पुलिस रिकॉर्ड के बीच स्पष्ट विरोधाभास दिखाई देता है जिसकी गहन जांच आवश्यक है.आदेश के अनुसार मामला पुलिस थाना आगर के प्रकरण क्रमांक 32/2026 से जुड़ा है, जिसमें धारा 8/22 ह्रष्ठक्कस्, ष्ह्ल के तहत कार्रवाई दर्शाई गई थी. पुलिस ने दावा किया था कि राजस्थान के डग थाना क्षेत्र स्थित ग्राम घाटाखेड़ी में दबिश देकर गुलिस्तान शाहिद एवं मुन्नवर को गिरफ्तार किया गया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।। थाना बरेला में मंगलायातन कॉलेज बरेला के पास एक्सीडेंट होने की सूचना पर पहुँची पुलिस को भारत चड़ार निवासी कटंगी वायपास औरिया माढ़ोताल ने बताया वह ड्रायवरी करता है अपनी इंट्रापिकअप क्रमांक एमपी 20 जीबी 4742 से मजूदरों केा एवं उनके सामानों को लेकर जबलपुर से जिला मंडला उनके गांव गढार जा रहा था शाम लगभग 5-20 बजे मंगलायातन कॉलेज बरेला के पास पहुँचा मंडला तरफसे हाईवा क्रमांक एमपी 20 एक्स ई 0585 का चालक हाईवा को लापरवाही पूर्वक तेज गति से चलाते हुये जबलपुर की ओर जा रहा था

पत्रकारिता की आड़ में ब्लैकमेलिंग और अवैध गतिविधियों पर कठोर कार्रवाई की उठी मांग, बड़ी संख्या में पहुंचे पत्रकार और नागरिक

फर्जी पत्रकारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग हुई तेज, पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर सौंपा गया ज्ञापन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जिले में कथित फर्जी पत्रकारों की बढ़ती गतिविधियों को लेकर सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक महत्वपूर्ण पहल देखने को मिली। कलमवीर संघर्ष संगठन के नेतृत्व में पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर फर्जी पत्रकारिता के विरुद्ध जांच एवं कठोर कार्रवाई की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान पत्रकारिता की आड़ में कथित रूप से संचालित ब्लैकमेलिंग, अवैध वसूली और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और इसका मूल उद्देश्य समाज एवं शासन के बीच पारदर्शिता बनाए रखना तथा जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाना है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ऐसे मामलों की शिकायतें बढ़ी हैं जिनमें कुछ लोग बिना वैध मान्यता, पंजीकरण अथवा अधिकृत समाचार संस्थानों से जुड़े बिना स्वयं को पत्रकार बताकर विभिन्न स्थानों पर प्रभाव जमाने का प्रयास करते हैं।

इससे न केवल पत्रकारिता की साख प्रभावित होती है बल्कि निष्पक्ष और ईमानदार पत्रकारों के समक्ष भी कई प्रकार की चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं।

ज्ञापन में मांग की गई कि जिले में सक्रिय पत्रकारों एवं मीडिया संस्थानों का व्यापक सत्यापन अभियान चलाया जाए, जिससे वास्तविक और फर्जी पत्रकारों के बीच स्पष्ट अंतर स्थापित किया जा सके। संगठन ने यह भी मांग रखी कि फर्जी प्रेस कार्ड, अवैध पहचान पत्र या पत्रकारिता के नाम पर किसी भी प्रकार की गलत गतिविधि में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्वों की गतिविधियों के कारण आम नागरिकों और शासकीय अधिकारियों के बीच वास्तविक पत्रकारों के प्रति भी संदेह की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इसका सीधा असर उन पत्रकारों पर पड़ रहा है जो पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ जनहित में कार्य कर रहे हैं। कई बार समाचार संकलन और जनसमस्याओं से जुड़े विषयों पर जानकारी प्राप्त करने के दौरान उन्हें अनावश्यक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

कार्यक्रम में यह भी मांग उठी कि सभी शासकीय विभागों एवं कार्यालयों को निर्देश जारी किए जाएं कि वे केवल अधिकृत एवं सत्यापित पत्रकारों को ही आधिकारिक रूप से पत्रकार के रूप में मान्यता दें। साथ ही आमजन को भी जागरूक किया जाए ताकि वे किसी भी संदिग्ध व्यक्ति द्वारा पत्रकार होने का दावा किए जाने पर संबंधित जानकारी प्रशासन तक पहुंचा सकें।

कलमवीर संघर्ष संगठन के प्रतिनिधियों ने पुलिस प्रशासन से आग्रह किया कि समय-समय पर विशेष जांच एवं सत्यापन अभियान चलाकर पत्रकारिता के क्षेत्र में पारदर्शिता और विश्वसनीयता को मजबूत किया जाए। संगठन का कहना है कि पत्रकारिता की गरिमा को बनाए रखने और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए फर्जी पत्रकारिता पर प्रभावी अंकुश लगाना समय की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के अंत में संगठन की ओर से पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया तथा आशा व्यक्त की गई कि प्राप्त शिकायतों और तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस पूरे घटनाक्रम ने जिले में पत्रकारिता की विश्वसनीयता, जवाबदेही और पेशेवर मानकों को लेकर एक नई चर्चा को जन्म दिया है।

सृजन शुक्ला ने कही यह बात

कलमवीर संघर्ष संगठन के प्रतिनिधि सृजन शुक्ला ने कहा कि पत्रकारिता समाज की आवाज है और इसे किसी भी कीमत पर बदनाम नहीं होने दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों की कथित गतिविधियों के कारण पूरे पत्रकार समाज की छवि प्रभावित होती है, इसलिए वास्तविक पत्रकारों के हितों और पत्रकारिता की गरिमा की रक्षा के लिए प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है।

इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मयंक तिवारी के निर्देश पर जिला अध्यक्ष सृजन शुक्ला के प्रयास पर जिले के वरिष्ठ पत्रकार सच्चिदानंद शेकटकर, प्रदेश अध्यक्ष शुभम् शुक्ला, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष संजय साहू, राष्ट्रीय प्रवक्ता सत्यजीत यादव, प्रदेश सचिव सुधीर खरे, वरिष्ठ पत्रकार परितोष वर्मा, हर्षित चौरसिया, अज़हर खान, धीरज शाह, सुमन पुरोहित, पीयूष श्रीवास्तव, नील तिवारी, धर्म गौतम, अनिल तिवारी, दिलीप तिवारी, आदित्य विश्वकर्मा, गोपाल गुमास्ता, सुनील सेन, डॉ सुरेंद्र कुशवाहा, अमित झा, ओम प्रकाश पॉल, बबलू रजक.....राहुल सक्सेना, राजेंद्र दुबे, संजय उपाध्याय, कार्तिक गुप्ता, अनूप लाल रॉबिन, जितेंद्र वैष्णव, तीरथ कुशवाहा आदि उपस्थित हो कर पत्रकारों के हित में अपनी बात रखी।

बरगी तहसीलदार ने मांगों के निराकरण का दिया आश्वासन, क्षेत्रीय समिति ने खत्म किया आंदोलन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। बरगी बांध नर्मदा पुल घाट एवं बांध क्षेत्र में लगातार हो रही दुर्घटनाओं और सुरक्षा व्यवस्थाओं के अभाव को लेकर क्षेत्रीय जनकल्याण समिति द्वारा आयोजित क्रमिक भूख हड़ताल एवं धरना-प्रदर्शन प्रशासन के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया। आंदोलन के दौरान समिति ने घाट और बांध क्षेत्र में व्यापक सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए जाने की मांग उठाई।

धरना स्थल पर समिति के पदाधिकारियों एवं क्षेत्रवासियों ने प्रशासन के समक्ष छह प्रमुख मांगें रखीं, जिनमें घाट क्षेत्र के चारों ओर सुरक्षा जाल एवं चेन लगाए जाने, चेतावनी बोर्ड स्थापित करने, प्रशिक्षित गोताखोरों की तैनाती, नियमित पुलिस गश्त, बरगी बांध क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा पुल के नीचे स्थित खारी घाट क्षेत्र में विशेष सुरक्षा प्रबंध किए जाने की मांग शामिल रही।आंदोलन के दौरान तहसीलदार ने धरना स्थल पहुंचकर प्रतिनिधियों से चर्चा की तथा सभी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई एवं आवश्यक पहल का आश्वासन दिया। इसके बाद समिति द्वारा क्रमिक भूख हड़ताल समाप्त करने की घोषणा की गई।

क्रमिक भूख हड़ताल में समिति अध्यक्ष अजय पटेल, समिति सदस्य कमला प्रसाद पटेल एवं नन्हे रजक शामिल रहे। वहीं धरना-प्रदर्शन में राजेश तिवारी, रोहिणी प्रसाद झारिया, विनोद सोनीवाल, कुंवर लाल पटेल, जय कुमार साहू सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। आंदोलन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना प्रभारी बरगी निलेश दोहरे एवं चौकी प्रभारी अभिषेक पयासी बरगी नगर अपने पुलिस बल के साथ मौजूद रहे।

उपयंत्री को एक वेतन वृद्धि रोकने जारी हुआ कारण बताओं नोटिस

सफाई कार्यो में लापरवाही पर 2 सुपरवाईजरों के 1-1 सप्ताह का वेतन कटा

जबलपुर। नगर निगम द्वारा शहर की सफाई व्यवस्था को दुरूस्त करने नियमित रूप से बेहतर प्रयास किये जा रहे हैं। जिसके परिणाम स्वरूप शहर की सफाई व्यवस्था में अमूलचूल परिवर्तन भी आया है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के साथ-साथ सभी अपर आयुक्त, उपायुक्त एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा भी समय-समय पर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किये जा रहे हैं और कोताही बरतने वाले के विरूद्ध कार्रवाई भी की जा रही है। इसी क्रम में आज अपर आयुक्त देवेन्द्र सिंह चैहान के द्वारा वेस्ट टू एनर्जी प्लांट परिक्षेत्र का निरीक्षण किया गया, जहाँ पर पाया गया कि दो सुपरवाईजर प्लांट के पीछे कचरा जला रहे थे, जिसके लिए दोनो सुपरवाईजरों का 1-1 सप्ताह का वेतन काटने निर्देश जारी किये गए वहीं प्लांट प्रभारी उपयंत्री का एक वेतन वृद्धि रोकने नोटिस जारी किया गया है।

निगमायुक्त श्री अहिरवार ने सभी स्वास्थ्य अमले को निर्देशित किया है कि सफाई व्यवस्था में कहीं पर भी कोताही न बरतें। व्यवस्था में व्यापक सुधार लाने जमीनी स्तर पर कार्य करें और कचरे को कचरा गाड़ी के माध्यम से ही डिस्पोजल कराऐं।

पर्यावरण संरक्षण एवम् हरित भविष्य के संकल्प के साथ दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संस्कारधानी के तत्वाधान में 51से अधिक फलदार वृहद पौधारोपण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पर्यावरण संरक्षण एवम् हरित भविष्य के संकल्प के साथ दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संस्कारधानी के तत्वाधान में 51से अधिक फलदार वृहद पौधारोपण अभियान के अंतर्गत आम, पीपल, नीम, जामुन, आंवला, बिही, गुलमोहर एवम् सिंदूर औषधीय तथा छायादार पौधों का रोपण सी ए मनोज जैन एवम् मढिया जी तीर्थ के अध्यक्ष राजेंद्र जैन मम्मा के मुख्य आतिथ्य में विशिष्ट अतिथि मढिया जी तीर्थ कोषाध्यक्ष सुबोध कामरेड,, रीजन सचिव हेमंत जैन, आलोक जैन, संस्कारधानी ग्रुप के अध्यक्ष प्रदीप सुनीता लक्ष्मी, सचिव चित्रा सुनील घीया, , राजेंद्र साइकिल, अनुपम प्रतिभा, प्रदीप कमलेश, मंजु लता जैन, शरद जैन, अशोक सुनीता, स्नेह प्रवीण, अनिल सुनीता,एवम् सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में वृहद पौधारोपण किया गया। साथ ही सचिव चित्राघीया ने पर्यावरण से लाभ एवम् प्रकृति का संतुलन वृक्षों पर निर्भर करता है, वृक्ष है तो जीवन है, एक पेड़ पृथ्वी के नाम का सार्थकता प्रदान कर प्रकृति को हरियाली का उपहार दिया। मंजुलता जैन ने पर्यावरण पर विचार व्यक्त किए। आभार श्रेयांश मीना ने शब्दों के माध्यम से पौधों को जीवित रखने संरक्षण आवश्यक है एक पौधा लगाओ या अधिक, उन सभी की देख रेख, संरक्षण आवश्यक है। सभी अतिथियों व सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति के लिए धन्यवाद व आभार दिया।

सेवा,सुशासन एवं जनकल्याण के 12 वर्ष,जनविश्वास और विकास के संकल्प को समर्पित-आशीष दुबे

पूर्व विधानसभा में विशेष जनसंपर्क अभियान संपन्न

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन, विश्वास एवं जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जबलपुर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विशेष जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत पौधारोपण, जनचौपाल, व्यापारियों से संवाद, प्रबुद्धजन एवं वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से भेंट तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद जैसे कार्यक्रम संपन्न हुए।

अभियान के अंतर्गत नेताजी सुभाष चंद्र बोस मंडल एवं तिलक मंडल के विभिन्न वार्डों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर संचालित एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं मातृ वंदना का संदेश दिया गया। वहीं विकास पथ यात्रा के दौरान महर्षि महेश योगी वार्ड स्थित संजीवनी क्लीनिक का निरीक्षण कर हितग्राहियों से संवाद किया गया तथा स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे जनकल्याणकारी प्रयासों की जानकारी साझा की। तत्पश्चात अधारताल नगर निगम मार्केट में व्यापारियों एवं व्यवसायियों से संपर्क कर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनहितैषी नीतियों पर चर्चा की । विभिन्न स्थानों पर आयोजित जनचौपालों में क्षेत्रीय नागरिकों, प्रबुद्धजनों एवं वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ आत्मीय संवाद कर उनके सुझाव प्राप्त किए गए तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में जनभागीदारी के महत्व पर सार्थक चर्चा की । इस दौरान सांसद आशीष दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विगत 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, पारदर्शिता, आत्मनिर्भरता और जनकल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां प्राप्त की हैं। गरीब, किसान, युवा, महिला एवं वंचित वर्ग के उत्थान को केंद्र में रखकर संचालित योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाया है।

उन्होंने कहा कि यह 12 वर्ष केवल शासन का कालखंड नहीं, बल्कि जनविश्वास, सेवा और राष्ट्र निर्माण का स्वर्णिम अध्याय है।

उन्होंने बताया कि विशेष जनसंपर्क अभियान के माध्यम से कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए जनता का अभूतपूर्व समर्थन और सहभागिता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है।

कार्यक्रमों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विकसित, आत्मनिर्भर एवं समृद्ध भारत के निर्माण के संकल्प को और अधिक सुदृढ़ करने का संदेश जन-जन तक पहुंचा जा रहा है।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री अंचल सोनकर, पूर्व भाजपा नगरअध्यक्ष जी.एस. ठाकुर, रंजीत पटेल,राजेश मिश्रा, विवेक राम सोनकर, अमित राय, ऋषि सोनकर, अंजना मनीष अग्रहरि, गोवर्धन कश्यप, विमल राय, महेश राजपूत सहित भाजपा परिवार के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित थे।

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 38

2026-2027 दिनांक 27/05/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **श्रीमती नीता पाल, पति स्व. श्री राजेन्द्र पाल** भवन क्रं. 1260/4, संपत्ति कर/ पिन नं. 1000361005 जलकर पिन नं. 2411184 **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** - श्री राजेन्द्र पाल, पिता श्री पिन्देशरी पाल, **वार्ड महर्षि महेश योगी वार्ड** , निर्मित भूतल 765 व.फु. आर.सी.सी., प्रथमतल 360 व.फु. आर.सी.सी., **मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.

क्र./सं.अधि./07/M./E.N.P.No/ - 53

2026-2027 दिनांक 17/06/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **श्रीमती रूही शाह, पति श्री सगीर शाह** भवन क्रं. 2277, संपत्ति कर/ पिन नं. 1000367592 जलकर पिन नं. ..... **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** - श्रीमती मुमताज खान/ जेड.ए. खान, **वार्ड शहीद अ. हमीद वार्ड** , निर्मित भूतल 875 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-7,अधारताल नगर निगम जबलपुर

नगर निगम की बड़ी पहल, तिलहरी आवासीय परियोजना को मिलेगी गति, निजी क्षेत्र के सहयोग से पूरे होंगे एल.आई.जी. और एम.आई.जी. आवास

सभी पात्र हितग्राहियों के लिए है खुशखबरी और बड़ा सुनहरा मौका

गवर्नमेंट अप्रूव्ड वैल्यू से अधिक की मिली वित्तीय निविदा, एम.आई.सी. की मंजूरी के बाद शुरू होगा काम

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अंतर्गत नागरिकों को उनके सपनों का घर सौंपने की दिशा में नगर निगम को एक बड़ी सफलता मिली है। योजना के ए.एच.पी. घटक के तहत तिलहरी परियोजना के रुके हुए कार्यों को अब पुनः तीव्र गति मिलने जा रही है। इस संबंध में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने जानकारी देते हुए बताया कि परियोजना के अंतर्गत निर्मित हो रहे एल.आई.जी. तथा एम.आई.जी. आवासों का निर्माण कार्य निजी क्षेत्र के सहयोग से शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा।

शासन के नियमों के तहत पारदर्शी प्रक्रिया

निगमायुक्त श्री अहिरवार एवं अपर आयुक्त देवेन्द्र सिंह चैहान ने बताया कि भिटोली स्थित खसरा नंबर 112, 113 और 114 की 41.61 हेक्टेयर भूमि पर तिलहरी पैकेज-। के तहत 528 ई.डब्लू.एस., 144 एल.आई.जी. और 144 एम.आई.जी. आवास निर्माणाधीन हैं। मध्य प्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के तहत, वित्तीय कारणों से रुके हुए या अपूर्ण आवासों को ''जहाँ है जैसा है'' के आधार पर डेवलपमेंट राइट एग्रीमेंट मॉडल पर पूरा करने का निर्णय लिया गया था। इस प्रक्रिया से न केवल अटके हुए प्रोजेक्ट्स पूरे होंगे, बल्कि स्थानीय नागरिकों को समय पर आवास की सुविधा भी मिल सकेगी।

उन्होंने बताया कि परियोजना के लिए नगर निगम प्रशासन द्वारा बेहद पारदर्शी और व्यापक निविदा प्रक्रिया अपनाई गई। देश और प्रदेश के प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में आर.एफ.पी. के द्वितीय आमंत्रण के बाद जबलपुर की दो प्रतिष्ठित निर्माण एजेंसियों ने इसमें रुचि दिखाई। तकनीकी समिति द्वारा बारीकी से मूल्यांकन करने के बाद दोनों बिडर्स को पात्र पाया गया। इसके पश्चात 5 जून 2026 को खोली गई वित्तीय निविदा में मेसर्स श्री राधे राधे प्रोडक्शन, जबलपुर ने सबसे सफल और अधिकतम दर प्रस्तुत की।

एम.आई.सी. की अंतिम स्वीकृति के बाद शुरू होगा कार्य

उन्होंने बताया कि निविदा वित्तीय समिति की 15 जून 2026 को आयोजित बैठक में इस अधिकतम दर को स्वीकृति देने की अनुशंसा की जा चुकी है। अब इस पूरे प्रकरण को अंतिम प्रशासनिक और सक्षम स्वीकृति के लिए माननीय मेयर-इन-काउंसिल के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जा रहा है।

एम.आई.सी. की मंजूरी मिलते ही अनुबंध के अनुसार निर्माण कार्य को धरातल पर तेज कर दिया जाएगा। क्रेता द्वारा इन अपूर्ण आवासीय ब्लॉकों के शेष निर्माण को पूरा कर इनका व्ययन किया जाएगा, जिससे तिलहरी क्षेत्र में अधोसंरचना विकास और शहरी सौंदर्यीकरण को एक नया आयाम मिलेगा और सभी पात्र हितग्राहियों को स्वयं के आशियाना होने का सपना पूरा होगा।

जयपुर-भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस का खातीपुरा तक विस्तार, 20 जून से मिलेगी नई सुविधा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल बोर्ड ने पश्चिम मध्य रेलवे पर संचालित गाड़ी संख्या 19711/19712 जयपुर-भोपाल-जयपुर एक्सप्रेस का विस्तार खातीपुरा रेलवे स्टेशन तक करने का निर्णय लिया है। यह व्यवस्था 20 जून 2026 से प्रभावी होगी। जयपुर और भोपाल के मध्य ट्रेन की वर्तमान समय-सारिणी में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।विस्तारित समय-सारिणी गाड़ी संख्या 19711 खातीपुरा-भोपाल एक्सप्रेस20 जून 2026 से प्रतिदिन खातीपुरा स्टेशन से 17ः45 बजे प्रस्थान करेगी। यह ट्रेन गाँधी नगर जयपुर स्टेशन पर 17ः48/17ः51 बजे, जयपुर स्टेशन पर 18ः10/18ः20 बजे रुकते हुए निर्धारित मार्ग से होकर अगले दिन 11ः20 बजे भोपाल पहुँचेगी।गाड़ी संख्या 19712 भोपाल-खातीपुरा एक्सप्रेस

19 जून 2026 से प्रतिदिन भोपाल स्टेशन से 16ः30 बजे रवाना होगी। यह ट्रेन अगले दिन जयपुर स्टेशन पर 09ः45/09ः55 बजे, गाँधी नगर जयपुर स्टेशन पर 10ः06/10ः09 बजे ठहराव के बाद 10ः35 बजे खातीपुरा पहुँचेगी। यात्री विस्तारित ट्रेन सेवा की अधिक जानकारी रेलवे स्टेशन पूछताछ केंद्र, रेल मदद 139 तथा एनटीईएस के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

भोपाल -ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर देश भर में चल रहे महाअभियान के तहत उप नगर ग्वालियर के वार्ड नंबर 5 आनंद नगर स्थित बड़ा पार्क माता मंदिर परिसर में गुरुवार को रात्रि विश्राम के दौरान जन चौपाल के जरिए स्थानीय नागरिकों से सीधे संवाद किया। इस अवसर पर नागरिकों ने जनसुविधा से जुड़े कई मुद्दे उठाए, जिन पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने सकारात्मक पहल और समाधान का आश्वासन दिया।

मध्यप्रदेश (परोपकारी संस्थाओं के लिए) मेगा स्वास्थ्य सेवा अधोसंरचना प्रोत्साहन नीति के प्रस्ताव पर उप समिति गठित-रीवा, देवास और गुना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को आउटसोर्स माध्यम से संचालित किए जाने के पायलट प्रोजेक्ट को मंजूरी

बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सेवाएं और जन-कल्याण के लिए 24 हजार 200 करोड़ रुपये की स्वीकृति

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय

भोपाल -(आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। बैठक में मध्यप्रदेश के बुनियादी ढांचे और जन-कल्याण को बड़ी रफ्तार देते हुए कुल 24,200 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इंदौर मेट्रो रेल परियोजना के लिए अतिरिक्त वित्त पोषण सहित कुल 19,472 करोड़ 29 लाख रुपये का पुनरीक्षित बजट स्वीकृत किया गया। राज्य में विश्वस्तरीय सुपर-स्पेशियलिटी चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ाने और परोपकारी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए %मेगा स्वास्थ्य सेवा अधोसंरचना प्रोत्साहन नीति 2026 लागू करने के प्रस्ताव पर मंत्रि-परिषद ने 5 सदस्यीय मंत्रि-मण्डल उप समिति का गठन किया है। समिति सभी संबंधित पहलुओं का अध्ययन कर रिपोर्ट देगी। मंत्रि-परिषद ने ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए रीवा, देवास और गुना के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को आउटसोर्स मॉडल पर चलाने का पायलट प्रोजेक्ट भी मंजूर किया गया। वन्य-प्राणी संरक्षण और संवेदनशील क्षेत्रों के 94 गांवों के विस्थापन व मुआवजे के लिए 16वें वित्त आयोग की अवधि 2026-2031 के तहत 2 हजार 381 करोड़ 15 लाख रुपये आवंटित किए हैं। सामाजिक और आर्थिक समावेशन को बढ़ावा देते हुए जनजातीय विद्यार्थियों की शैक्षणिक व आवासीय सुविधाओं के लिए 687 करोड़ रुपये और स्थानीय स्तर पर रोजगार बढ़ाने के उद्देश्य से रेशम उत्पादन की विभिन्न योजनाओं के लिए 639 करोड़ 25 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है।

मंत्रि-परिषद द्वारा श्रम कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन,औद्योगिक सुरक्षा और श्रमिक कल्याण योजनाओं के सुचारू संचालन के लिए 531 करोड़ 78 लाख रुपये तथा स्थानीय निकायों के वित्तीय प्रबंधन व ऑडिट व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए स्थानीय निधि संपरीक्षा के संचालन के लिए 492 करोड़ 45 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह सभी निर्णय आगामी पांच वर्षों में मध्यप्रदेश के समग्र, समावेशी और सतत विकास को सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ी पहल है।

इंदौर मेट्रो रेल परियोजना की पुनरीक्षित लागत और अतिरिक्त वित्त पोषण के लिए 19 हजार 472 करोड़ 29 लाख रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने इंदौर मेट्रो रेल परियोजना की मूल लागत 7 हजार 500.80करोड़रूपये में 5 हजार 388.58 करोड़ रूपये की अतिरिक्त लागत जोड़कर पुनरीक्षित लागत 12 हजार 889.38 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की है। इसके अतिरिक्त उ?द्योग के स्वीकृत मानदंडों के अनुसार परियोजना के लिए अतिरिक्त वित्त पोषण पीपीपी घटक एवं आंतरिक ऋण के प्रभाव को सम्मिलित करते हुए 6 हजार 582.91 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस तरह कुल 19 हजार 472 करोड़ 29 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

अतिरिक्त वित्त पोषण में भारत शासन और मध्यप्रदेश शासन द्वारा 1,696 करोड़ 74 लाख रूपये की अतिरिक्त इक्विटी और केन्द्रीय करों के लिए 214 करोड़ 64 लाख रूपये का अतिरिक्त अधीनस्थ ऋण, वित्त पोषण एजेंसी बैंकों से ऋण निधि के विरुद्ध 3,496 करोड़ 15 लाख रूपये का अतिरिक्त पीटीए/आंतरिक ऋण, मध्यप्रदेश शासन से राज्य करों के लिए 656 करोड़ 96 लाख रूपये एवं आईडीसीकी लागत के लिए 518 करोड़ 42 लाख रूपये का अतिरिक्त ऋण शामिल है।

प्रोजेक्ट टाइगर एण्ड एलिफेंट और ग्रामों के पुनर्वास संबंधी मुआवजा के लिए 2 हजार 381 करोड़ 15 लाख रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा वन विभाग के अंतर्गत प्रोजेक्ट टाइगर एण्ड एलिफेंट और ग्रामों के पुनर्वास के लिए मुआवजा सम्बंधी योजना के सोलहवें केन्द्रीय वित आयोग की अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक कुल 5 वर्षों तक संचालन के लिए कुल 2 हजार 381 करोड़ 15 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है।

स्वीकृति अनुसार प्रोजेक्ट टाइगर एण्ड एलिफेंट (नॉन-रिकरिंग), प्रोजेक्ट टाइगर एण्ड एलिफेंट (रिकरिंग) और प्रोजेक्ट टाइगर एण्ड एलिफेंट (प्रोजेक्ट एलिफेंट) के लिए एक हजार 131 करोड़ 15 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन तीनों योजनाओं से वन्यप्राणी संरक्षण के वैज्ञानिक सिद्धान्तों के आधार पर बनाई गई प्रबंध योजना का क्रियान्वयन किया जाना है, जिसमें मुख्यत: प्रदेश के टाइगर रिजर्व, कूनो राष्ट्रीय उद्यान तथा गांधीसागर अभयारण्य में वन एवं वन्य-प्राणी सुरक्षा के लिए हैबीटेट सुधार, अग्नि एवं वन सुरक्षा, जल स्त्रोतों का विकास, वन मार्गो का रखरखाव आवश्यक संरचनाओं का निर्माण एवं उनका रखरखाव, हाथियों का प्रबंधन एवं सुरक्षा कार्य, रेस्क्यू सामग्री क्रय, कैम्प निर्माण, दवाईयां क्रय एवं हाथियों के लिए भोजन व्यवस्था आदि कार्य किए जायेंगे।

तीनों श्रमिक कल्याण मंडलों की बैठक में मंत्री पटेल ने योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचाने के दिए निर्देश

श्रमिक कल्याण, सामाजिक सुरक्षा और सुविधाओं का विस्तार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता -मंत्री पटेल

भोपाल (आरएनएस)- श्रमिकों और उनके परिवारों को सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। श्रमिक कल्याण से जुड़ी सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने यह निर्देश मध्यप्रदेश असंगठित शहरी एवं ग्रामीण कर्मकार कल्याण मंडल, मध्यप्रदेश श्रम कल्याण मंडल तथा मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की महत्वपूर्ण बैठक के दौरान दिए।

मंत्री श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। नई श्रम संहिताएं श्रमिकों को नया संरक्षण प्रदान करते हुए उनके कल्याण के लिए संचालित व्यवस्थाओं को और अधिक सशक्त बनाएंगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप श्रम कल्याण संबंधी प्रावधानों को अधिक प्रभावी और व्यावहारिक बनाया जाए, जिससे कर्मचारी और नियोक्ता के मध्य बेहतर संबंध स्थापित हों और औद्योगिक विकास को गति मिले। श्रम मंत्री श्री पटेल की पहल पर श्रमिकों के बच्चों के लिए मेधा छात्र उन्नयन छात्रवृत्ति योजना। प्रारंभ करने का बड़ा निर्णय लिया गया है। इस योजना के तहत मध्यप्रदेश और सीबीएसई बोर्ड में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक लाने वाले 100 मेधावी विद्यार्थियों को 7,500 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी। इसके अलावा, श्रमिकों को स्वास्थ्य से जोड़ने के लिए प्रदेश के 422 संस्थानों में योग गतिविधियां चलाई जा रही हैं। बुरहानपुर और नरसिंहपुर में आदर्श श्रम कल्याण केंद्र विकसित किए जा रहे हैं, जबकि इंदौर और ग्वालियर में भी ऐसे केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है।

बैठक में जानकारी दी गई कि नई श्रम संहिताओं (वेतन, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं नियम-2026) के माध्यम से श्रमिकों को अधिक सुरक्षा और सुविधाएं मिलेंगी। इसके तहत न्यूनतम वेतन का दायरा सभी वर्गों तक बढ़ाया गया है, मातृत्व अवकाश को 26 सप्ताह सुनिश्चित किया गया है तथा गिग एवं प्लेटफॉर्म वर्करों की सामाजिक सुरक्षा के प्रावधान शामिल किए गए हैं। इसके साथ ही, असंगठित श्रमिकों के उपचार के लिए शीघ्र ही एक नई स्वास्थ्य सहायता योजना शुरू की जाएगी और पंजीकृत श्रमिकों के लिए सुरक्षित परिवहन व्यवस्था की जाएगी।

निर्माण श्रमिकों के कल्याण की समीक्षा के दौरान बताया गया कि मंडल द्वारा प्रसूति सहायता योजना में 190.84 करोड़ रुपये और अनुग्रह सहायता में 23.36 लाख रुपये की राशि प्रदान की जा चुकी है। साथ ही, आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 92.95 करोड़ रुपये से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है। बैठक में योजनाओं की बेहतर निगरानी के लिए तकनीकी नवाचारों को अपनाते हुए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और पोर्टल का सिक्योरिटी ऑडिट कराने तथा मोबाइल एप्लीकेशन विकसित करने पर सहमति बनी।

इस्लामी नए साल का इस्तक़बाल, हुसैन चौक में परचम कुशाई और दुआएं की गई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। इस्लामी नए साल के आगमन पर बज़्मे गुलशन-ए-मदीना, नया मोहल्ला के तत्वावधान में मंगलवार को हुसैन चौक पर नमाज़-ए-मग़रिब के बाद परचम कुशाई की रस्म अदा की गई। इस अवसर पर बारगाह-ए-इमाम आली मुकाम में सलातो-सलाम पेश किया गया तथा इस्लामी नए साल की विशेष दुआएं पढ़ी गईं।

कार्यक्रम में फातिहा ख्वानी के बाद लंगर तकसीम किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत कर बरकत हासिल की। महफ़िल में हाफिज सिराजुल हसन, हाफिज मोहम्मद वारिस, हाफिज अशफ़ाक़ अहमद, हाफिज सलाउद्दीन, हाफिज मोहम्मद तारिक एवं हाफिज इश्तियाक ने कर्बला के शहीदों की शान में मनकबत पेश कर किया।

इस अवसर पर खालिद मुबीन, हाजी सलीमुद्दीन, शाहिद मुबीन, पप्पू वसीम खान, अशरफ सिराजी, तारिक रज़ा, बंटी खान, नक़ी खान, नसीम खान, मुईन खान, आसिफ एंथोनी, अब्दुल जब्बार सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान देश में अमन, भाईचारे, तरक्की और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं की गईं। आयोजन के अंत में सभी उपस्थित लोगों के लिए लंगर-ए-आम का प्रबंध किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की।

हसनी हुसैनी सोसायटी की जिला कार्यकारिणी घोषित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)।। हसनी हुसैनी सोसायटी की जिला इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन प्रदेश अध्यक्ष मो. सोहेल (मोनू) एवं प्रदेश सचिव शेख राजिक की अध्यक्षता में किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। घोषित कार्यकारिणी में समीर अली (बाबा) को जिला अध्यक्ष, सैय्यद अशरफ अली एवं कैफ बंगाली (समर) को जिला उपाध्यक्ष, शेख अयाज़ को जिला सचिव, शाहरुख खान (अरमान) एवं निहाल अंसारी को जिला सहसचिव, अजहर खान को जिला कोषाध्यक्ष तथा नियाज़ अहमद को सोसायटी का जिला ब्लड बैंक प्रभारी नियुक्त किया गया है।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मो. सोहेल (मोनू) एवं प्रदेश सचिव शेख राजिक ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आशा व्यक्त की कि वे संगठन की विचारधारा को आगे बढ़ायेगे ।

कोटा-इटावा-कोटा एक्सप्रेस में अतिरिक्त शयनयान कोच लगाया जाएगा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रेल प्रशासन द्वारा अतिरिक्त यात्री यातायात को सुगम बनाने तथा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम मध्य रेल से संचालित कोटा-इटावा-कोटा एक्सप्रेस ट्रेन में छह दिनों के लिए एक अतिरिक्त शयनयान (स्लीपर) श्रेणी का कोच लगाने का निर्णय लिया गया है। इससे यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त आरक्षण सुविधा उपलब्ध होगी तथा प्रतीक्षा सूची के यात्रियों को राहत मिलेगी। गाड़ी संख्या 19811 कोटा-इटावा एक्सप्रेस में प्रारंभिक स्टेशन कोटा से दिनांक 17 जून 2026 से 22 जून 2026 तक 01 अतिरिक्त शयनयान श्रेणी का कोच लगाया जाएगा। इसी प्रकार, वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 19812 इटावा-कोटा एक्सप्रेस में प्रारंभिक स्टेशन इटावा से दिनांक 17 जून 2026 से 22 जून 2026 तक 01 अतिरिक्त शयनयान श्रेणी का कोच लगाया जाएगा। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे उपलब्ध अतिरिक्त आरक्षण सुविधा का लाभ उठाएं।

विद्यार्थी कॅरियर का चयन करते समय अपनी रुचि, योग्यता और भविष्य की संभावनाओं को ध्यान में रखें

स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना के अंतर्गत कॅरियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, प्रधानमंत्री कॉलेज आफ़ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी अग्रणी महाविद्यालय जबलपुर द्वारा कॅरियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। कॅरियर काउंसलिंग सत्र के अंतर्गत हिन्दी, संस्कृत, इतिहास, अंग्रेजी, एआई एवं भूगोल विषयों के विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को विभिन्न कॅरियर संभावनाओं से परिचित कराया।

प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, प्राध्याापक इतिहास ने विद्यार्थियों को बताया कि इतिहास केवल अतीत का अध्ययन नहीं, बल्कि वर्तमान को समझने और भविष्य का मार्ग निर्धारित करने का आधार है। इतिहास के विद्यार्थी पुरातत्व, संग्रहालय प्रबंधन, अभिलेखागार, पर्यटन, शोध, शिक्षण, पत्रकारिता तथा प्रशासनिक सेवाओं में अपना कॅरियर बना सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में भी इतिहास का महत्वपूर्ण स्थान है।

प्रो. अरुण शुक्ल, संभागीय समन्वयक, स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन योजना, जबलपुर संभाग, जबलपुर ने बताया कि हिन्दी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि रोजगार और सृजनात्मकता का व्यापक माध्यम है। हिन्दी साहित्य, पत्रकारिता, संपादन, अनुवाद, लेखन, प्रकाशन, विज्ञापन, जनसंपर्क, रेडियो एवं दूरदर्शन जैसे क्षेत्रों में रोजगार एवं स्वरोजगार के विभिन्न अवसर उपलब्ध हैं।

डॉ. डी.के.मिश्रा, प्राध्यापक भूगोल ने बताया कि भूगोल के विद्यार्थियों के लिए भू-स्थानिक तकनीक (ळप्ै), रिमोट सेंसिंग, पर्यावरण प्रबंधन, आपदा प्रबंधन, शहरी नियोजन, मौसम विज्ञान तथा पर्यटन जैसे क्षेत्रों में आकर्षक कॅरियर अवसर उपलब्ध हैं।

डॉ. शैलेन्द्र श्रीवास्तव, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के विशेषज्ञ ने विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी युग की आवश्यकताओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि एआई, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा तथा सॉफ्टवेयर विकास जैसे क्षेत्रों में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। आने वाले वर्षों में एआई आधारित तकनीकों का विस्तार होने से इस क्षेत्र में कुशल युवाओं की मांग और तेजी से बढ़ेगी।

रेल मंत्री 17 जून 2026 को पुणे-दानापुर अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे

जबलपुर। माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, दिनांक 17.06.2026 को कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हडपसर रेलवे स्टेशन से पुणे-दानापुर अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। यह महाराष्ट्र की आठवीं और पुणे मंडल की दूसरी अमृत भारत ट्रेन होगी, जो आम लोगों को किफायती यात्रा की सुविधा प्रदान करेगी । पुणे-पुणे महाराष्ट्र का एक प्रमुख शिक्षा, आईटी और ऑटोमोबाइल हब है। हिंजवाडी आईटी पार्क और चाकन ऑटो क्लस्टर जैसे प्रसिद्ध संस्थानों, अनुसंधान केंद्रों और औद्योगिक क्षेत्रों का हब होने के कारण, पुणे देश भर से छात्रों, पेशेवरों और बिजनेस यात्रियों को आकर्षित करता है और साथ ही नौकरी के कई अवसर भी प्रदान करता है।

ट्रेन के लाभ* पुणे-दानापुर अमृत भारत एक्सप्रेस के शुरू होने से महाराष्ट्र से झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के लिए सीधी और किफायती कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्रों, नौकरी के इच्छुक लोगों और प्रवासी श्रमिकों को लाभ होगा। यह सेवा पुणे के स्पेशलिटी अस्पतालों और पटना के मेडिकल सेंटरों में जाने वाले मरीजों की मदद करेगी, छोटे व्यापारियों की सहायता करेगी और छठ पूजा, होली और दिवाली जैसे त्योहारों के दौरान परिवारों के लिए नियमित संपर्क सुविधा प्रदान करेगी। अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन एक आधुनिक और किफायती लंबी दूरी की ट्रेन है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यम वर्गीय यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करना है। इसमें %कवच% सिस्टम लगा है और इसमें एलईडी लाइटिंग, आरामदायक सीटें और बर्थ (हर सीट पर मोबाइल चार्जिंग पॉइंट के साथ), सीसीटीवी निगरानी, दिव्यांग-अनुकूल शौचालय और पब्लिक एड्रेस/पैसेंजर इंफॉर्मेशन सिस्टम जैसी सुविधाएं हैं।

ट्रेन की जानकारी-11431 पुणे-दानापुर अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक शनिवार को 15ः30 बजे पुणे से प्रस्थान करेगी और सोमवार को 01ः30 बजे दानापुर पहुंचेगी। 11432 दानापुर-पुणे अमृत भारत एक्सप्रेस प्रत्येक सोमवार को 03.30 बजे दानापुर से प्रस्थान करेगी और मंगलवार को 11.05 बजे पुणे पहुंचेगी। ठहराव ः दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर, बेलापुर, कोपरगांव, मनमाड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर और आरा।

डीजीपी कैलाश मकवाणा ने जोनल पुलिस महानिरीक्षकों एवं पुलिस अधीक्षकों को दिए विशेष सतर्कता एवं प्रभावी समन्वय के निर्देश

आगामी मोहर्रम, ताजिया जुलूस, महामहिम राष्ट्रपति के प्रस्तावित भ्रमण एवं विशेष आयोजनों के दृष्टिगत सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था तैयारियों की समीक्षा

भोपाल-(आरएनएस)पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा की अध?यक्षता में पुलिस महानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षक की वीडियों कॉफ्रेंस आयोजित की गई। बैठक में पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने सभी जोनल पुलिस महानिरीक्षकों एवं पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि मोहर्रम, ताजिया जुलूसों, अन्य धार्मिक आयोजनों, महामहिम राष्ट्रपति के प्रस्तावित भ्रमण तथा वीआईपी कार्यक्रमों के दौरान कानून-व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा योजना तैयार कर उसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

डीजीपी श्री मकवाणा ने कहा कि आगामी त्योहारों एवं आयोजनों के दौरान परंपरागत रूप से संवेदनशील क्षेत्रों, जुलूस मार्गों, धार्मिक स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जाए। शांति समितियों, धर्मगुरुओं एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ नियमित संवाद स्थापित कर सामाजिक समरसता एवं आपसी सौहार्द का वातावरण बनाए रखा जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सोशल मीडिया एवं अन्य डिजिटल माध्यमों पर प्रसारित होने वाली भ्रामक सूचनाओं, अफवाहों एवं आपत्तिजनक सामग्री पर सतत निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की भड़काऊ अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधि के विरुद्ध त्वरित वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। संवेदनशील क्षेत्रों में खुफिया तंत्र को सक्रिय रखते हुए संभावित चुनौतियों का समय रहते आकलन कर आवश्यक निवारक कदम उठाए जाएं। डीजीपी ने कहा कि उपलब्ध पुलिस बल, दंगा नियंत्रण उपकरणों, वाहनों, संचार संसाधनों, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था एवं आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र की समीक्षा कर उन्हें पूर्णतः सक्रिय एवं तैयार रखा जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे स्थापित हैं, वहां उनकी कार्यशीलता सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी स्थिति में महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों एवं पुलिस प्रतिष्ठानों की निगरानी व्यवस्था बाधित न होने पाए। बैठक में महामहिम राष्ट्रपति के प्रस्तावित मध्यप्रदेश भ्रमण सहित अन्य वीआईपी एवं वीवीआईपी कार्यक्रमों की सुरक्षा व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल, रूट सुरक्षा, एंटी-सबोटेज जांच, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण एवं समन्वित सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। संबंधित विभागों एवं एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर सभी सुरक्षा व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने पर बल दिया गया।

बैठक में अतिरिक?त पुलिस महानिदेशक गुप?तवार्ता श्री ए.साईं मनोहर, उप पुलिस महानिरीक्षक श्री तरूण नायक, पीएसओ टू डीजीपी डॉ. विनीत कपूर, एसओ टू डीजीपी श्री मलय जैन, पुलिस अधीक्षक एटीएस श्री प्रणय नागवंशी, एवं एआईजी श्रीमती विनीता मालवीय उपस्थित रहे।

हिंदू धर्म में मां गायत्री को वेदों की जननी, ज्ञान और पवित्रता की देवी माना जाता है। मां गायत्री को वेदों की माता, देवमाता और विश्वमाता के रूप में भी जाना जाता है। मां गायत्री को पांच मुख वाली देवी के रूप में दर्शाया गया है। उनके यह पांच मुख पंचतत्वों का प्रतीक है। मां गायत्री की पूजा करने से व्यक्ति को समृद्धि, ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। बता दें कि यदि कोई जातक की कोई मनोकामना है, तो उसको पूरा करने के लिए रोजाना गायत्री चालीसा का पाठ करना चाहिए।

स्थितियां और कठिन

पुलिस के निशाने पर वे कॉन्सर्ट्स हैं, जहां शराब की आड़ में ड्रग्स के सेवन का आरोप है। अब प्रशासन ने नो-अल्कोहल की शर्त लगा दी है, तो इन इवेंट्स की चमक भी चली गई है। तकरीबन डेढ़ साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कॉन्सर्ट इकॉनमी की चर्चा करते हुए संदेश दिया था कि भारत में लाइव म्यूजिक और अन्य इवेंट्स की अपार संभावनाएं हैं। उसके बाद इस वर्ष संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में सरकार ने इस क्षेत्र को विकास के एक उभरते इंजन के रूप में पेश किया। रिपोर्ट में इसे ऑरेंज इकॉनमी का हिस्सा बताया गया। इसका जिक्र किया गया कि 2024 में भारत का लाइव एंटरटेनमेंट सेक्टर 10,000 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया। कोल्डप्ले, डुआ लिपा, लिनकिन पार्क, मरून-5 आदि जैसे बैंड्स और ए.पी. ढिल्लन, दलजीत दोसांज आदि जैसे कलाकारों के इवेंट्स में उमड़ रही भीड़ से इस उद्योग के और फूलने-फलने की आस जोड़ गई थी।

लेकिन हालिया घटनाओं से इस कथित इंडस्ट्री की चमक फीकी पड़ गई है। इस कारोबार के गढ़ मुंबई में गुजरे अप्रैल में एक इवेंट के दौरान नशे के ओवरडोज से दो छात्रों की मौत की खबर ने अधिकारियों के कान खड़े कर दिए। पुलिस कार्रवाई शुरू हुई। उससे घटनाओं का जो सिलसिला चला, उस कारण कई तय इवेंट अचानक रद्द करने पड़े। इससे तय कार्यक्रमों को लेकर अनिश्चय का माहौल बन गया है। बताया जाता है कि आयोजकों को करोड़ों रुपये का नुकसान हो चुका है। अंतरराष्ट्रीय शोहरत के जिन कलाकारों के कार्यक्रम तय किए गए, उनको लेकर अनिश्चय घिरा हुआ है। पुलिस कार्रवाई के निशाने पर मुख्य रूप से वे आउटडोर इवेंट्स हैं, जिनके बारे में आरोप है कि शराब की आड़ में वहां मादक पदार्थों का सेवन किया जाता है।

खाद्य हानि से खाद्य नेतृत्व की ओरः दक्षिण एशिया के लिए अगला बड़ा अवसर है खाद्य प्रसंस्करण

चिराग पासवान

दक्षिण एशिया खाद्य प्रणालियों की अपनी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। समृद्ध कृषि-जैव विविधता वाला एक प्रमुख क्षेत्र होने के बावजूद, खेत से उपभोक्ता तक पहुँचने की प्रक्रिया में अभी तक बहुत अधिक मूल्य नष्ट हो जाता है—जो किसानों, रोजगार और पोषण के लिए एक चूका हुआ अवसर है।

भारत इस विरोधाभास का स्पष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार, भारत दूध और दालों का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक तथा फल और सब्जियों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। इसके बावजूद, कटाई के बाद की प्रक्रियाओं, भंडारण, लॉजिस्टिक्स और प्रसंस्करण में मौजूद कमियों के कारण खाद्य पदार्थों की बड़ी मात्रा में हानि होती रहती है। इससे सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) सहित वैश्विक विकास प्राथमिकताओं की दिशा में होने वाली प्रगति प्रभावित होती है। यह केवल अक्षमता भर नहीं है, बल्कि चूका हुआ अवसर भी है। बर्बाद होने वाले खाद्य पदार्थों का प्रत्येक टन, किसानों की खोई हुई आमदनी, युवाओं के लिए खोए हुए रोजगार के अवसर और परिवारों के लिए खोए हुए पोषण का प्रतीक है। इसलिए, इस हानि को मूल्य में बदलना अब एक क्षेत्रीय प्राथमिकता बन जाना चाहिए।

खाद्य प्रसंस्करण मूल्यवर्धित कृषि की संभावनाओं का पता लगाने की कुंजी है। यह खेतों को बाजारों से, किसानों को उद्योगों से तथा स्थानीय उत्पादन को क्षेत्रीय और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से जोड़ता है। इस प्रकार, यह कृषि और व्यापक आर्थिक परिवर्तन के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करता है।

मात्रा से मूल्य की ओर

दशकों से कृषि नीतियों का मुख्य उद्देश्य उत्पादन बढ़ाना और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा है। इस प्रयास ने खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में लाभ दिलाएं हैं। लेकिन अब अगले चरण में मूल्य सृजन, रोजगार के अवसरों के सृजन, किसानों की आय में वृद्धि और पोषण संबंधी परिणाम बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। भारत में, वर्तमान में कृषि उपज का केवल लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा ही प्रसंस्कृत किया जाता है। क्षेत्र की पूर्ण आर्थिक क्षमता का लाभ उठाने के लिए इस हिस्सेदारी को बढ़ाकर 2030 तक लगभग 25 प्रतिशत करना आवश्यक है। साथ ही, कटाई के बाद होने वाली खाद्य हानियों को कम करना और प्रसंस्करण से जुड़े तंत्रों को मजबूत बनाना भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगा, ताकि अर्थव्यवस्था में अधिक से अधिक मूल्य बना रहे। खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों की भंडारण अवधि बढ़ाता है, खाद्य सुरक्षा में सुधार करता है तथा नए और घरेलू निर्यात बाजारों तक पहुँच के अवसर प्रदान करता है। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि यह आर्थिक मूल्य के बड़े हिस्से को उत्पादक देशों के भीतर ही बनाए रखने में मदद करता है, जिससे किसानों, उद्यमों और ग्रामीण समुदायों को प्रत्यक्ष लाभ मिलता है।

बाज़ार आधारित मूल्य श्रृंखलाओं को आकार देना

इस परिवर्तन को सफलतापूर्वक साकार करने के लिए मूल्य श्रृंखला के प्रत्येक चरण —उत्पादन और संग्रहण से लेकर प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स और बाज़ार तक पहुँच सुनिश्चित करने में समन्वित निवेश की आवश्यकता होगी। गुणवत्ता, सुरक्षा, ट्रेसबिलिटी तथा लागत-प्रभावशीलता के प्रति उपभोक्ताओं की बदलती अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अधिक एकीकृत और समग्र दृष्टिकोण अपनाना अनिवार्य होगा। दक्षिण एशिया की समृद्ध कृषि-जैव विविधता उच्च मूल्य वाले उत्पादों के विकास की अपार संभावनाएँ प्रदान करती है, विशेषकर ऐसे समय में जब वैश्विक मांग अधिक विविधतापूर्ण, पौष्टिक और विशिष्ट खाद्य उत्पादों की ओर बढ़ रही है। साथ ही, डिजिटल समाधान ट्रेसबिलिटी को मजबूत करने, गुणवत्ता मानकों में सुधार लाने और लगातार जटिल होते वैश्विक बाज़ारों में प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

इसमें सार्वजनिक निवेश की महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन इसे निजी क्षेत्र की अधिक भागीदारी को भी प्रोत्साहित करना चाहिए। निवेश को बड़े पैमाने पर आकर्षित करने के लिए व्यावसायिक वातावरण को मजबूत बनाना, जोखिमों को कम करना तथा प्रभावी सार्वजनिक-निजी साझेदारी को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक होगा।

भारत ने इस दिशा में पहले ही प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना तथा उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना जैसी प्रमुख योजनाओं के माध्यम से खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों के लिए ज़रूरी कदम उठाए हैं। ये कदम बुनियादी ढाँचे को मजबूत करने, कोल्ड चेन नेटवर्क का विस्तार करने और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जिससे अधिक गतिशील, प्रतिस्पर्धी क्षेत्र के लिए नींव रखी जा रही है।

रोजगार के अवसर वहीं, जहाँ उनकी सर्वाधिक आवश्यकता है

खाद्य प्रसंस्करण केवल आर्थिक दक्षता के बारे में ही नहीं है—यह आजीविका से भी जुड़ा हुआ है।

पूरे दक्षिण एशिया में लाखों युवा हर वर्ष श्रम बाज़ार में प्रवेश करते हैं, जबकि कृषि क्षेत्र अकेले अब इस बढ़ती हुई श्रम शक्ति को समाहित करने में सक्षम नहीं है। ऐसे में खाद्य प्रसंस्करण एक प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है।

उत्पादन केंद्रों के निकट उद्योगों की स्थापना करके यह लॉजिस्टिक्स, पैकेजिंग, खाद्य प्रौद्योगिकी और संबंधित सेवाओं के क्षेत्रों में विकेंद्रीकृत रोजगार सृजित करता है।

विश्व-रंग: वेनेजुएला के बाद क्या क्यूबा की बारी है

यह आज की बात नहीं है, बल्कि बीती कई दहाइयों से अमेरिका के लिये बुकनी सा कष्टप्रद यह सिलसिला जारी है। दरअसल यह तकलीफदेह क्रम सन 1959 में फिदेल कास्त्रो के कू-दे-ता के जरिये सत्ता में आने के ऐन दिन से शुरू हो गया था। फिदेल को अपदस्थ करने अथवा मारने की सीआईए की सारी कोशिशें विफल रहीं। अमेरिका उनकी मुश्कें नहीं कस सका। उलटे फिदेल वैश्विक नेता के तौर पर उभरते गये और उन्होंने दुनिया भर के मुक्तिकामी जनों को आकर्षित किया। श्रीमती इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में भारत और क्यूबा के संबंधों को नयी ऊंचाई और सान्द्रता मिली। शीतयुद्ध की समाप्ति और सोवियत संघ के विघटन के बाद क्यूबा को मुसीबतों से दो-चार होना पड़ा। रही सही कसर अमेरिका की आर्थिक पाबंदियों ने पूरी कर दी। जारी वर्ष के प्रारंभ में वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो के निर्लज्ज अपहरण से अनेक छोटे और निर्बल राष्ट्र सकते में आ गये। यूं तो मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के अभीष्ट की पूर्ति के लिये ही अमेरिका ने इस्रायल के सहयोग से 28 फरवरी को ईरान पर धावा बोला था और उसे अली खामेनेई समेत अनेक बड़े ईरानी नेताओं को मारने में कामयाबी भी मिली, अलबत्ता उसकी मंशा पूरी नहीं हुई। अब यह सवाल सारी दुनिया में खतरे की घंटी की मानिंद घनघना रहा है कि क्या वेनेजुएला और ईरान के बाद अब बारी क्यूबा की है? इस प्रश्न का उत्तर तलाशना कठिन इसलिये नहीं है क्योंकि जिद्दी और अड़ियल डोनाल्ड ट्रंप अपनी खब्त में कुछ भी कर सकते हैं। दूसरे सीआईए के डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ के 14 मई को हवाना की यात्रा और खुलेआम अंतिमेत्थम ने अमेरिका-क्यूबा के कसैले संबंधों मंह इजाफा कर एक करोड़ से कुछ अधिक क्यूबावासियों की रगों में सिहरन पैदा कर दी है।

आज नहीं, अर्से से क्यूबा के नसीब में चैन नहीं है और अमेरिकी धौंस, दबंगई और दादागिरी से उसकी मुसीबतों की गठरी भारी होती जा रही है। राजधानी हवाना समेत पूरा क्यूबा अंधेरे में डूबा हुआ है। क्यूबा अभूतपूर्व ऊर्जा संकट से गुजर रहा है। डीजल और पेट्रोल का भंडार खत्म हो गया है।

आपकी रगों में बहता हुआ खून किसी के बुझते हुए घर के चिराग को दोबारा रोशन कर सकता है

रक्तदान महादान — यह केवल एक नारा नहीं है, बल्कि मानवता की सेवा का सबसे बड़ा प्रमाण है। जब आप रक्तदान करते हैं, तो आप केवल खून की कुछ बूंदें नहीं दे रहे होते, बल्कि किसी को मुस्कुराने का, जीने का और अपने परिवार के साथ रहने का एक और मौका दे रहे होते हैं। हर साल 14 जून को पूरी दुनिया में %विश्व रक्तदान दिवस% मनाया जाता है। आपकी रगों में बहता हुआ खून किसी के बुझते हुए घर के चिराग को दोबारा रोशन कर सकता है। इस बार सिर्फ स्टेटस न लगाएं, आगे आएं और रक्तदान करें! दुनिया में कई तरह के दान किए जाते हैं— अन्नदान, वस्त्रदान, धनदान और विद्यादान। ये सभी दान सम्मानीय हैं, लेकिन रक्तदान इन सबसे ऊपर है। इसका कारण यह है कि बाकी सभी दान व्यक्ति की सुख-सुविधाओं को पूरा करते हैं, जबकि रक्तदान किसी मरते हुए व्यक्ति को जीवनदान देता है। जब कोई व्यक्ति दुर्घटना का शिकार होता है, किसी बड़ी सर्जरी से गुजरता है, या थैलेसीमिया और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहा होता है, तब उसके पास जिंदगी और मौत के बीच बहुत कम समय होता है। उस वक्त आपकी दी हुई खून की एक यूनिट (लगभग 350-450 मिलीलीटर) किसी का बुझता हुआ घर का चिराग दोबारा रोशन कर सकती है।अत्याधुनिक युग में भी, विज्ञान आज तक प्रयोगशाला में कृत्रिम खून नहीं बना पाया है। इसका सीधा और कड़वा सच यह है कि किसी इंसान की रगों में बहता खून ही किसी दूसरे इंसान की जान बचा सकता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति और समाज में रक्तदान को %महादान% का दर्जा दिया गया है।

जब आप एक बार रक्तदान करते हैं, तो आप केवल एक नहीं, बल्कि तीन लोगों की जान बचा सकते हैं।ब्लड बैंक में आपके द्वारा दिए गए रक्त को तीन मुख्य घटकों में अलग किया जाता है:

1. लाल रक्त कणिकाएं : एनीमिया या अत्यधिक खून बह जाने पर काम आती हैं।
2. प्लाज्मा: जलने के मामलों या लीवर की गंभीर बीमारियों में उपयोग होता है।
3. प्लेटलेट्स: डेंगू, कैंसर या कीमोथेरेपी के मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित होती हैं।रक्तदान का लाभ:-

रक्तदान करने से शरीर हार्ट अटैक का खतरा कम: रक्तदान करने से शरीर में आयरन की मात्रा संतुलित रहती है, जिससे खून का थक्का जमने की संभावना कम होती है और दिल का दौरा पड़ने का खतरा काफी घट जाता है।

कैंसर से बचाव: शरीर में आयरन का स्तर नियंत्रित रहने से कुछ प्रकार के कैंसर (जैसे लीवर, फेफड़े और कोलन कैंसर) का जोखिम कम होता है। नई ऊर्जा का संचार: रक्तदान के बाद शरीर 48 घंटों के भीतर तरल पदार्थ की कमी पूरी कर लेता है और अगले कुछ हफ्तों में नई रक्त कोशिकाएं बनाता है, जिससे शरीर में स्फूर्ति आती है।

फ्री मिनी-हेल्थ चेकअप: रक्तदान से पहले डोनर के हीमोग्लोबिन, ब्लड प्रेशर, पल्स और वजन की जांच की जाती है। साथ ही रक्त की ।іढ्ढङ्क, हेपेटाइटिस बी और सी, तथा मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों के लिए मुफ्त जांच होती है।

रक्तदान क्यों है बेहद ज़रूरी ?

चिकित्सा विज्ञान ने आज आसमान छू लिया है, हम कृत्रिम अंग बना सकते हैं, जटिल से जटिल सर्जरी कर सकते हैं, लेकिन आज तक वैज्ञानिक प्रयोगशाला में कृत्रिम खून नहीं बना पाए हैं। इसका मतलब साफ है कि इंसान की जान बचाने के लिए केवल इंसान का खून ही काम आ सकता है।

बिना डाइटिंग और जिम के बॉडी शेपिंग का दावा प्राणिक बॉडी स्कल्प्टिंग बनी नया लाइफस्टाइल ट्रेंड

फिटनेस, वेलनेस और सेल्फ-केयर की दुनिया में लगातार नए ट्रेंड सामने आ रहे हैं। कभी डिटॉक्स डाइट चर्चा में रहती है तो कभी इंटरमिटेंट फास्टिंग, योग या मेडिटेशन। अब इसी कड़ी में एक नया नाम तेजी से लोकप्रिय हो रहा है—प्राणिक बॉडी स्कल्प्टिंग। इसे पारंपरिक वजन घटाने या बॉडी कंटूरिंग तकनीकों से अलग बताया जा रहा है। दावा किया जाता है कि यह पद्धति केवल शरीर पर नहीं बल्कि व्यक्ति की ऊर्जा, मानसिक स्थिति और भावनात्मक स्वास्थ्य पर भी काम करती है। यही वजह है कि हेल्थ और लाइफस्टाइल जगत में इसे लेकर दिलचस्पी बढ़ती जा रही है। प्राणिक बॉडी स्कल्प्टिंग की अवधारणा प्राणिक हीलिंग पर आधारित है। इस पद्धति के अनुसार मनुष्य केवल एक भौतिक शरीर नहीं है बल्कि उसके चारों ओर एक ऊर्जा क्षेत्र या ऑरा भी होता है, जो उसके स्वास्थ्य, भावनाओं और व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। इस सिद्धांत में माना जाता है कि यदि ऊर्जा शरीर को संतुलित और शुद्ध किया जाए

समझौते के बाद भी स्थायी शांति की उम्मीद नहीं?

अमेरिका ईरान युद्ध विराम के बाद दोनों देशों के मध्य स्थायी शांति समझौते को लेकर पिछले सौ दिनों से मध्यस्थों के माध्यम से वार्ताएं जारी थीं। चालीस दिनों के इस युद्ध में अमेरिका ने ईरान के सामने अपनी महाशक्ति के रुतबे की चमक फीकी पड़ते देखी, वहीं ईरान ने भी अमेरिका के हाथों भारी जन धन की हानि उठाई। युद्ध विराम के बाद न तो अमेरिका और न ही ईरान किसी भी कीमत पर दोबारा युद्ध लड़कर जन धन की क्षति उठाना चाहते थे और न ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष कमजोर होकर उपहास का पात्र बनना चाहते थे। अस्तु, अमेरिका और ईरान दोनों ही देश अंदरखाने ऐसी स्थायी शांति चाहते थे, जिससे अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में उनकी प्रतिष्ठा और सम्मान बना रहे। यही कारण था कि युद्ध विराम के बाद अमेरिका और ईरान के बीच समझौते की शर्तों को लेकर कूटनीतिक वाक् युद्ध शुरू हो गया। ईरान ने अपनी सीमा से सटे अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक मार्ग जलडमरूमध्य में बारूदी सुरंगें बिछा के मार्ग अवरुद्ध कर दिया, जिससे दुनिया भर में तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई और महंगाई की लहर फैल गई। भारत सहित अनेक देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर भी इस युद्ध का गहरा प्रभाव पड़ा। वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के चलते दुनिया भी नहीं चाहती थी कि अमेरिका और ईरान के बीच फिर से युद्ध हो। इसलिए चारों ओर से दोनों देशों के मध्य शांति स्थापित करने के प्रयास किए जाते रहे। अंततः विश्व समुदाय के निरंतर प्रयासों के बाद अमेरिका और ईरान के मध्य समझौते की घोषणा की गई, जिस पर स्विट्जरलैंड के जिनेवा में दोनों देशों द्वारा तय शर्तों के आधार पर हस्ताक्षर किए जाने हैं। बकौल अमेरिका, ईरान के साथ शांति की दिशा में बढ़ा यह कदम पूरे विश्व के लिए राहत का विषय है, लेकिन ईरान की नीयत को लेकर अभी भी आशंकाएं बनी हुई हैं। ईरानी हुकूमत का एक धड़ा आज भी अंतरराष्ट्रीय जलडमरूमध्य से गुजरने वाले तेल और गैस के जहाजों से कर वसूलने तथा हिजबुल्ला व अन्य संगठनों के माध्यम से इजरायल के खिलाफ संघर्ष जारी रखने की बात कर रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच भले ही स्थायी शांति स्थापित हो जाए, लेकिन इजरायल ने स्पष्ट कर दिया है कि उसकी सीमाओं पर सक्रिय हिजबुल्ला के प्रभाव को समाप्त किए बिना वह अपने सुरक्षा अभियान नहीं रोकेगा। दूसरी ओर, ईरानी नेतृत्व भी अमेरिका पर दबाव बनाकर इजरायल को झुकाने का प्रयास करता रह सकता है। ऐसे में यह आशंका बनी हुई है कि समझौते के बाद भी ईरान कभी सामुद्रिक मार्गों के मुद्दे को लेकर तो कभी अपने समर्थक संगठनों के माध्यम से क्षेत्रीय तनाव बढ़ाने की कोशिश कर सकता है। यही कारण है कि दुनिया भर में अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते का स्वागत तो किया जा रहा है, लेकिन इसके बावजूद स्थायी और दीर्घकालिक शांति की संभावनाओं को लेकर संशय बना हुआ है। जब तक क्षेत्रीय हितों, सुरक्षा चिंताओं और वैचारिक टकरावों का स्थायी समाधान नहीं निकलता, तब तक किसी भी समझौते को अंतिम शांति की गारंटी नहीं माना जा सकता। वर्तमान परिस्थितियों में यह समझौता युद्ध की विभीषिका को टालने का एक महत्वपूर्ण कदम अवश्य है, किंतु इसे स्थायी शांति का आधार तभी माना जा सकेगा जब सभी पक्ष अपने अपने दायित्वों का ईमानदारी से पालन करें और टकराव की राजनीति के स्थान पर विश्वास तथा सहयोग का मार्ग अपनाएं।

अरविंद रावल

क्यों है हनुमान गढ़ी का इतना महत्व?

देश भर में हनुमान जी को समर्पित कई मंदिर है। इस मंदिरों का अपना विशेष महत्व है। इन्हीं मंदिरों में अयोध्या का हनुमान गढ़ी मंदिर शामिल है। यह मंदिर आस्था का केंद्र है और एक ऊंचे टीले पर स्थित है। इस मंदिर तक पहुंचने के लिए भक्तों को 76 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती है। हनुमान गढ़ी मंदिर में हनुमान जी के दर्शन करने के बाद ही रामलला के दर्शन का शुभ फल प्राप्त होता है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक हनुमान जी इस मंदिर में रक्षक के रूप में वास करती है।

हनुमान गढ़ी मंदिर में आने पर भक्तों को खास ऊर्जा और शांति का अनुभव होता है। किसी खास मौके पर मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हनुमान गढ़ी मंदिर से जुड़े रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं।

पौराणिक कथा पौराणिक कथा के मुताबिक भगवान श्रीराम ने रावण की लंका पर विजय प्राप्त की और जब अयोध्या वापस आए, तो प्रभु श्रीराम, माता सीता और भाई लक्ष्मण के आने का उत्साह मनाया जा रहा था। भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक हुआ और राम जी ने सभी को विदा किया। लेकिन हनुमान जी अयोध्या को छोड़कर नहीं जाना चाहते थे।

राम जी ने दी हनुमान जी को ये जगह हनुमानजी की भक्ति और प्रेम से प्रसन्न होकर भगवान श्रीराम ने हनुमान जी को अयोध्या में रहने के लिए एक जगह दी। यह स्थान एक ऊंचे टीले पर मौजूद थी।

ग्रेट निकोबारः भारत की समुद्री रणनीति का प्रमुख केंद्र

कौटिल्य की यह सीख सदियों पहले ही शासन और रणनीति की मूल सोच का हिस्सा बन चुकी थी, और आज के समय में यह पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक होकर सामने आई है। आज देशों की परीक्षा केवल उनकी अर्थव्यवस्था के आकार या सैन्य ताकत से नहीं हो रही, बल्कि इस बात से हो रही है कि वे भूगोल को कितनी अच्छी तरह समझते हैं, भविष्य का कितना सही अनुमान लगाते हैं और अवसर के खतरे में बदलने से पहले कितनी तेजी से निर्णय लेते हैं। ग्रेट निकोबार भारत के लिए ऐसी ही एक बड़ी परीक्षा है।

यह भारतीय मानचित्र के दक्षिणी-पूर्वी छोर पर स्थित एक दूरस्थ द्वीप जैसा प्रतीत होता है। ऐसी जगह जिसे दशकों से लगभग अछूता छोड़ दिया गया है और जिसे वैसे ही रहने देना चाहिए। परंतु ग्रेट निकोबार भारत की अग्रिम समुद्री चौकी है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के समीप स्थित यह द्वीप दुनिया की ओर भारत की सबसे अहम सामरिक अवसर में से एक है।

अत: ग्रेट निकोबार के प्रस्तावित विकास को केवल एक अवसंरचना परियोजना के रूप में नहीं देखा जा सकता। यह केवल एक बंदरगाह, हवाई अड्डा, टाउनशिप या बिजली संयंत्र बनाने का प्रश्न नहीं है। यह वास्तव में इस बात की सामरिक परीक्षा है कि क्या भारत अपनी इस दुर्लभ भौगोलिक बढ़त को राष्ट्रीय शक्ति में बदलने के लिए तैयार है।

सदियों से हिंद महासागर ने भारत की नियति को आकार दिया है। इसी समुद्री क्षेत्र ने हमारे व्यापार, हमारे विचारों और हमारे सभ्यतागत प्रभाव को विश्व भर में पहुंचाया, परन्तु कई बार यही हमारी कमजोरियों का कारण भी बना। तथापि, स्वतंत्रता के पश्चात् लंबे समय तक भारत की सामरिक सोच मुख्य रूप से स्थल-आधारित रही।

यह निर्विवाद है कि ग्रेट निकोबार अत्यंत महत्वपूर्ण सामरिक स्थान है। यह अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह के सबसे बड़े द्वीपों में से एक है, जिसका क्षेत्रफल लगभग 910 वर्ग किलोमीटर है। प्रस्तावित परियोजना का कुल क्षेत्रफल 166.10 वर्ग किलोमीटर है, जो सम्पूर्ण द्वीपसमूह के कुल क्षेत्रफल का केवल लगभग 2 प्रतिशत है। इसमें से 130.75 वर्ग किलोमीटर वन भूमि को परियोजना के लिए उपयोग में लाने का प्रस्ताव है, जो द्वीप समूह के कुल वन क्षेत्र का लगभग 1.82 प्रतिशत है।

यह दक्षिण-पूर्व एशिया के निकट स्थित है तथा मलक्का स्ट्रेट, 60 चैनल, सुंडा स्ट्रेट और लोम्बोक स्ट्रेट जैसे प्रमुख वैश्विक समुद्री मार्गों के समीप आता है। वास्तविक सामरिक दृष्टि से देखें तो यह भारत की पूर्वी समुद्री चौकी है।

इसका महत्व तब और स्पष्ट हो जाता है जब इसे केवल भूभाग के दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि महासागरीय रणनीति के व्यापक परिप्रेक्ष्य से देखा जाए। कल्पना कीजिए उन जहाजों की, जो अदन की खाड़ी से मलक्का स्ट्रेट की ओर बढ़ रहे हैं, ऊर्जा से भरे मालवाहक जहाज, जो पश्चिम एशिया और अफ्रीका से पूर्वी एशिया की ओर जा रहे हैं, एशिया, अफ्रीका और यूरोप को जोड़ने वाला कंटेनर यातायात तथा नौसैनिक संसाधन, निगरानी मंच और लॉजिस्टिक श्रृंखलाएँ, जो इन जलमार्गों से होकर गुजर रही हैं।

हिंद महासागर अब शांत समुद्र नहीं रहा। यह तेजी से एक भीड़भाड़ वाले सामरिक क्षेत्र में बदल रहा है। ऊर्जा आपूर्ति, कंटेनर यातायात, नौसैनिक तैनाती, द्वीपीय सुविधाएं, समुद्र के नीचे बिछी केबलें और समुद्री निगरानी अब एक बड़ी वैश्विक प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बन चुकी हैं। यह शायद मुख्य भूमि पर बैठे कई लोगों को दिखाई न दे, परन्तु देशों के भविष्य के लिए यह बेहद निर्णायक है।

हाल की एक महत्वपूर्ण प्रगति यह है कि अंडमान सागर को थाईलैंड की खाड़ी से जोड़ने वाली दशकों पुरानी कैनल परियोजना को स्थगित कर दिया गया है। इसके स्थान पर अब लगभग 90 किलोमीटर लंबे मल्टी-मोडल लैंड ब्रिज की योजना अंतिम स्वीकृति की प्रतीक्षा में है। यह परियोजना टेंथ पैरेलल के साथ दो नव-डिज़ाइन किए गए गहरे समुद्री बंदरगाहों को जोड़ेगी — एक अंडमान सागर के किनारे रणोंग में और दूसरा थाईलैंड की खाड़ी के किनारे चुम्फोन में। इसके साथ दोहरी ट्रैक्स वाली उच्च गति रेल, बहु-लेन सड़क, तेल एवं गैस के लिए ऊर्जा पाइपलाइनें तथा वायु एवं डिजिटल ग्रिड भी प्रस्तावित हैं। ये सभी कारक मिलकर इंडो-पैसिफिक व्यापार मार्गों को पूरी तरह पुनर्परिभाषित कर रहे हैं और आर्थिक शक्ति का केंद्र सीधे अंडमान बेसिन की ओर स्थानांतरित कर रहे हैं।

मलक्का स्ट्रेट विश्व के सबसे महत्वपूर्ण सामुद्रिक चोकपॉइंट्स में से एक है। यह हिंद महासागर को प्रशांत महासागर से जोड़ता है और अत्यंत मूल्यवान ऊर्जा संसाधनों (तेल और एलएनजी) तथा वैश्विक व्यापार का प्रमुख मार्ग है। ग्रेट निकोबार की गलाथिया खाड़ी 60 चैनल से लगभग 45 किलोमीटर दूर है, जो मलक्का स्ट्रेट को अफ्रीका, मध्य पूर्व और यूरोप की ओर जाने वाले समुद्री मार्गों से जोड़ती है। अनुमान है कि हर साल लगभग एक लाख जहाज मलक्का स्ट्रेट 60 चैनल मार्ग से गुजरते हैं।

मलक्का, सुंडा और लोम्बोक जैसे सामरिक चोकपॉइंट्स के निकट स्थित होने के कारण यह द्वीप भारत को अत्यंत महत्वपूर्ण सामरिक बढ़त प्रदान करता है। कोई भी गंभीर सामुद्रिक शक्ति ऐसे भौगोलिक तथ्यों की उपेक्षा करने का जोखिम नहीं उठा सकती।

हिंद महासागर क्षेत्र (ढ्ढह्रक्र) में अनेक शक्तिशाली देश बंदरगाहों, लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं, समुद्री पहुँच सुविधाओं, नौसैनिक संसाधनों, निगरानी प्रणालियों और आर्थिक गलियारों के माध्यम से निरंतर अपनी उपस्थिति का विस्तार कर रहे हैं।

भारत का उत्तर संकोचपूर्ण नहीं हो सकता। उसका उत्तर सामरिक सुदृढ़ीकरण होना चाहिए। संप्रभुता केवल मानचित्र पर सीमाएँ खींच देने से सुदृढ़ नहीं होती। वह तब सशक्त होती है जब कोई भूभाग जुड़ा हुआ, आबाद, सुविधायुक्त, उत्पादक और सामरिक रूप से उपयोगी बनता है। अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा, टाउनशिप और विद्युत संयंत्र अलग-अलग परियोजनाएँ नहीं हैं। ये सभी मिलकर उस पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) का निर्माण करते हैं, जिसकी सहायता से भारत एक निर्णायक सामुद्रिक स्थान पर विश्वसनीय, सतत और बहुआयामी उपस्थिति बनाए रख सकता है।

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने समुचित जांच-पड़ताल और आपत्तियों के निस्तारण के बाद यह स्वीकार किया कि यह परियोजना केवल द्वीप और उसके आसपास के सामरिक क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए ही नहीं, बल्कि रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सिंगापुर केवल इसलिए एक महान सामुद्रिक केंद्र नहीं बना क्योंकि उसका भौगोलिक स्थान अनुकूल था। उसने उस स्थान के आस-पास आवश्यक क्षमताओं का निर्माण किया। भौगोलिक स्थिति ने उसे अवसर दिया, और उसके अवसंरचनात्मक विकास ने उस अवसर को प्रभाव में परिवर्तित किया। हिंद महासागर में डिएगो गार्सिया एक और महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि: सुबह किसी काम को लेकर जल्दबाजी करने का मन होगा, हालांकि हालात ऐसे बनेंगे कि आपको थोड़ा धैर्य रखना पड़ेगा। कई बार जो काम तुरंत पूरे होते नहीं दिखते, वही बाद में आसानी से निपट जाते हैं।

वृषभ राशि: आज का दिन कुछ ऐसे बीत सकता है कि शाम तक आपको लगेगा, 卐अच्छा हुआ मैंने जल्दबाज़ी नहीं की।卐 सुबह किसी बात को लेकर मन थोड़ा उलझा रह सकता है।

मिथुन राशि: आज आपका मन एक जगह टिकने के मूड में नहीं रहेगा। सुबह से ही कई बातें एक साथ दिमाग में चलती रह सकती हैं। किसी से बात करते-करते अचानक किसी और काम की याद आ जाएगी,

कर्क राशि: आज आप बाहर से जितने शांत दिखेंगे, अंदर उतनी ही बातें चल रही होंगी। सुबह किसी पुरानी घटना, व्यक्ति या बातचीत की याद अचानक मन में आ सकती है।

सिंह राशि: आज का दिन उन दिनों में से हो सकता है जब लोग आपकी ओर किसी न किसी वजह से ध्यान दें। सुबह से ही कई छोटे-छोटे काम एक साथ सामने आ सकते हैं,

कन्या राशि: आज आप कई बातों को सामान्य से ज्यादा बारीकी से देख सकते हैं। कोई छोटा काम भी आपके लिए तब तक पूरा नहीं होगा, जब तक आपको संतुष्टि न मिल जाए।

तुला राशि: आज हर बात को तुरंत तय कर लेना आपके लिए आसान नहीं होगा। मन किसी एक फैसले पर पहुंचने से पहले उसके कई पहलुओं को देखना चाहेगा।

वृश्चिक राशि: आज आप कुछ बातों को अपने तक ही रखना पसंद करेंगे। हर विचार या योजना दूसरों के साथ साझा करने का मन नहीं होगा और यह बिल्कुल स्वाभाविक भी है।

धनु राशि: आज आपका मन घर की चारदीवारी से ज्यादा नई चीजों और नए विचारों की ओर आकर्षित हो सकता है। सुबह किसी योजना को लेकर उत्साह रहेगा, लेकिन दिन बढ़ने के साथ कुछ बदलाव भी करने पड़ सकते हैं। यह बदलाव आपको शुरुआत में पसंद न आए, लेकिन बाद में समझ आएगा कि यही सही था।

मकर राशि: आज आप अपने आसपास की चीजों को सामान्य से ज्यादा गंभीरता से देख सकते हैं। कोई छोटी-सी बात भी आपके मन में देर तक चलती रह सकती है। सुबह किसी जिम्मेदारी को लेकर व्यस्तता बढ़ सकती है, लेकिन आप धीरे-धीरे सब संभाल लेंगे।

कुंभ राशि: आज का दिन कुछ ऐसे अनुभव दे सकता है जो देखने में साधारण लगें, लेकिन उनका असर आपके मन पर देर तक बना रहे। सुबह किसी बात को लेकर आप अपना मन बदल सकते हैं। जिस काम को लेकर कल तक पूरा भरोसा था, आज उसी पर दोबारा विचार करने का मन हो सकता है। इसे असमंजस न समझें, बल्कि चीजों को अलग नजरिए से देखने की आपकी क्षमता कहें।

मीन राशि: शनिवार का दिन आपको थोड़ा धीमा चलने की सलाह दे रहा है। हर बात का जवाब तुरंत ढूंढने या हर समस्या को उसी समय सुलझाने की कोशिश करने के बजाय आज परिस्थितियों को जैसा है, वैसा देखने का मन करेगा। दिलचस्प बात यह है कि इसी तरीके से कई उलझनें खुद-ब-खुद आसान लगने लगेंगी।

तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने कलकत्ता हाई कोर्ट में भवानीपुर सीट पर विधानसभा चुनाव के नतीजों को चुनौती देते हुए याचिका दायर की है; इस सीट पर वह शुभेंदु अधिकारी से हार गई थीं। विधायक रिताब्रता बनर्जी ने 58 विधायकों के समर्थन से राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर अपना दावा पेश किया; इसके बाद, सांसद काकोली घोष ने 19 बागी सांसदों के समर्थन से अलग होने और बीजेपी के नेतृत्व वाले नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस का समर्थन करने की इच्छा खुलकर ज़ाहिर की।

प.बंगाल में भूमि घोटाले केस में अभिषेक के करीबी सहयोगी सुमित रॉय के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

कोलकाता, (आरएनएस)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और पार्टी के लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी के पर्सनल असिस्टेंट सुमित रॉय ने कलकत्ता हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत मांगी. हाल ही में उनके खिलाफ फाइनेंशियल फ्रॉड के संबंध में एक एफआईआर दर्ज की गई थी और पुलिस ने जांच के हिस्से के तौर पर उनकी तलाश शुरू कर दी.

इसी सिलसिले में सुमित रॉय के वकील सब्यसाची बनर्जी सोमवार सुबह जस्टिस जॉय सेनगुप्ता की बेंच के सामने पेश हुए और अग्रिम जमानत याचिका पर अर्जेंट सुनवाई की रिक्वेस्ट की. जज ने केस को फॉर्मल तौर पर फाइल करने का निर्देश दिया, लेकिन अर्जेंट सुनवाई की रिक्वेस्ट को तुरंत स्वीकार नहीं किया.

पुलिस ने बताया इससे पहले पश्चिम बंगाल के पश्चिम मेदिनीपुर जिले की एक कोर्ट ने सोमवार को टीएमसी लीडर अभिषेक बनर्जी के करीबी सुमित रॉय के खिलाफ एक लैंड स्कैम केस में अरेस्ट वारंट जारी किया. वारंट तब जारी किया गया जब इन्वेस्टिगेटर्स ने कोर्ट को बताया कि रॉय को ढूंढने की बार-बार कोशिशों के बावजूद उनका पता नहीं चल पाया.

हाल ही में शालबोनी पुलिस स्टेशन में सुमित रॉय के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसमें उन पर जबरन वसूली, जमीन से जुड़े करप्शन और फाइनेंशियल फ्रॉड जैसे दूसरे आरोप लगाए गए थे. इसके बाद पुलिस ने उन्हें ढूंढने के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू किया.

पुलिस ने शनिवार 13 जून की सुबह सुमित की तलाश में अभिषेक बनर्जी के घर पर रेड मारी. अभिषेक ने दावा किया कि काफी देर इंतज़ार करने के बाद पुलिस ताला तोड़कर अंदर घुसी और सर्च की लेकिन, जब सुमित रॉय वहां नहीं मिले, तो पुलिस अधिकारी तृणमूल ऑल इंडिया जनरल सेक्रेटरी के घर से खाली हाथ लौट आए.

उसी दिन बाद में पुलिस ने सुमित के सेरामपुर में ससुराल वालों के घर पर भी रेड मारी, लेकिन वह वहां भी नहीं मिले. इस स्थिति का सामना करते हुए और गिरफ्तारी से बचने के लिए, %लापता% सुमित ने अब अपने वकील के जरिए कलकत्ता हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत के लिए अप्लाई किया है.

राज्य में सत्ता बदलने के बाद से पुलिस ने कई तृणमूल नेताओं के खिलाफ जांच शुरू की. अभिषेक बनर्जी को कई मामलों के सिलसिले में पेश होने के लिए समन भेजा गया. हालांकि शुरू में वह ऐसा करने से बचते रहे, लेकिन शुक्रवार को वह पहली बार भवानी भवन में दिखे. करीब साढ़े पांच घंटे की पूछताछ के बाद वह बाहर निकले. इसके बाद सीआईडी हेडक्वार्टर ने उन्हें रविवार को फिर से बुलाया. रिपोर्ट बताती है कि इस दौरान कुणाल घोष और अभिषेक बनर्जी से आमने-सामने पूछताछ की गई. जांच अधिकारियों ने उस दिन अभिषेक से करीब आठ घंटे पूछताछ की. सोमवार को अभिषेक ईडी के समन पर पेश हुए. दूसरी ओर आज ही उनके पर्सनल असिस्टेंट ने कलकत्ता हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत मांगी.

शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में फंसे टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी, ईडी दफ्तर में पूछताछ

कोलकाता ,15 जून ,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में जारी सियासी सरगर्मी के बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। बंगाल के बहुचर्चित प्राथमिक शिक्षक भर्ती घोटाले में रुपयों के अवैध लेनदेन की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) आज तृणमूल कांग्रेस (ञ्जरूष्ट) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी से पूछताछ कर रही है। अभिषेक बनर्जी आज सुबह करीब 11ः00 बजे कोलकाता स्थित ईडी के दफ्तर पहुंचे, जहां जांच अधिकारियों ने उनसे इस मामले को लेकर पूछताछ शुरू की। इस शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच के दौरान अभिषेक बनर्जी की कंपनी लिप्स एंड बाउंड्स का नाम सामने आया था।

फ्रांस के नीस में भारत इनोवेट्स कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बेंगलुरु के मैसूर बैंक सर्कल में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ %स्व%छ भारत अभियान% के तहत सफाई अभियान में शामिल हुईं।

तीन भारतीयों की मौत को लेकर अमेरिका पर भड़की कांग्रेस, जयशंकर की प्रतिक्रिया पर उठाए सवाल

नई दिल्ली,(आरएनएस)। ओमान के तट पर अमेरिका की ओर से किए गए हमलों में भारतीय नाविकों की मौत हो गई। भारत ने इस घटना पर कड़ी आपत्ति जताई। कांग्रेस ने रविवार को ओमान तट के पास ट्रंप सरकार की कार्रवाई की आलोचना की। इसके साथ ही उन्होंने ओमान तट के पास तेल टैंकरों पर अमेरिकी नौसेना के हमले को लेकर भारत के कमजोर जवाब पर सवाल खड़े किए। कांग्रेस ने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर पर कहा कि वह अपने अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो के साथ बातचीत के दौरान भारत की स्थिति को काफी मजबूती से नहीं बता पाए।

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने इस घटना को बहुत बुरा बताया।

उन्होंने कहा, यह भारत की चिंताओं के प्रति गहरी असंवेदनशीलता को दिखाता है। इसमें कोई अफसोस, पछतावा या हमदर्दी नहीं है। असल में, एक साफ संदेश दिया गया है कि जो कोई भी होर्मुज में अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन करेगा, उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। असल में इसका मतलब यह है कि जिस टैंकर को अमेरिका ने टक्कर मारी थी, वह कथित तौर पर अमेरिकी प्रतिबंध का उल्लंघन कर रहा था।

उन्होंने आगे कहा, भारत ने अमेरिकी एयरस्ट्राइक में तीन भारतीय नागरिकों की मौत पर गहरी चिंता जताई थी। ऐसा नहीं लगता कि अमेरिकी सरकार ने भारत की आलोचना को दर्ज किया है।

कांग्रेस सांसद तिवारी ने कहा कि विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर को अमेरिकी सरकार के इस बुरे बर्ताव का विरोध करना चाहिए था।

इसके अलावा, अमेरिकी हमले और उसपर भारत की प्रतिक्रिया को लेकर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी आपत्ति जताई और कहा, एस जयशंकर ने बहुत हल्के शब्दों का इस्तेमाल किया और हमारी बात को मजबूती से नहीं रखा। हमने अपने तीन नागरिकों की जान गंवाई।

उन्होंने कहा, इसके बाद भी एस जयशंकर की तरफ से निंदा का एक भी शब्द नहीं आया, न ही अमेरिका पर माफी मांगने का कोई दबाव था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक संदेश भी जारी नहीं किया। असल में, यह अमेरिका ही है जो हमें डांट रहा है।

कांग्रेस नेता खेड़ा ने कहा कि 1949 के जिनेवा कन्वेंशन के अनुसार किसी भी कमर्शियल जहाज पर इस तरह से हमला नहीं किया जा सकता।

विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आज शाम अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो से बात की। मैंने खाड़ी में अमेरिकी नेवी के हमलों पर भारत का कड़ा विरोध दोहराया, जिसमें तीन भारतीय नाविक मारे गए। कमर्शियल शिपिंग के खिलाफ ऐसी जानलेवा कार्रवाई सही नहीं है।

इससे पहले शुक्रवार को विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के चार्ज डीअफेयर्स (सीडीए) जेसन मीक्स को तलब किया था

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शुरू हुआ उड़ानों का संचालन, 170 किसान बने पहले यात्री

नईदिल्ली/नोएडा (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोमवार (15 जून) से कमर्शियल फ्लाइट सेवाएं शुरू हो गईं। एयरपोर्ट पर पहली उड़ान लखनऊ से पहुंची, जिसे इंडिगो ने संचालित किया। यह फ्लाइट सुबह 07:05 बजे लखनऊ से रवाना हुई और सुबह 08:05 बजे जेवर एयरपोर्ट पहुंची। इसके साथ ही एयरपोर्ट ने नियमित यात्री सेवाओं की शुरुआत कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, जल्द ही यहां से बेंगलुरु समेत कई अन्य शहरों के लिए भी उड़ानें शुरू की जाएंगी। एयरपोर्ट की पहली उड़ान में जेवर क्षेत्र के 170 किसान और खेती से जुड़े लोग भी शामिल हुए, जिसमें 20 महिलाएं भी थीं। किसानों ने इस मौके को एयरपोर्ट परियोजना के लिए उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार जताने का अवसर बताया। अधिकारियों का कहना है कि यह एयरपोर्ट क्षेत्र के विकास और बेहतर कनेक्टिविटी का नया अध्याय साबित होगा, जिससे स्थानीय लोगों को भी लंबे समय में लाभ मिलने की उम्मीद है। करीब 1,334 हेक्टेयर क्षेत्र में विकसित इस एयरपोर्ट को चार चरणों में तैयार किया जा रहा है। अनुमान है कि वर्ष 2031 तक इसकी सालाना यात्री क्षमता 3 करोड़, 2036 तक 5 करोड़ और 2040 तक 7 करोड़ यात्रियों तक पहुंच जाएगी।

दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल समीर सक्सेना ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। उनके साथ नेवल वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (दक्षिणी क्षेत्र) की अध्यक्ष लाबोनी सक्सेना भी मौजूद थीं।

मोदी ने ईरान युद्ध विराम का स्वागत किया, कहा- शांति-स्थिरता बहाल करने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली (आर एनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता पर सहमति के बाद अपना बयान जारी किया है। उन्होंने स्लोवाकिया पर दौरे के दौरान एक्स पर दोनों देशों की बीच बनी सहमति का स्वागत किया और कहा कि इस संघर्ष से दुनिया भर में गंभीर आर्थिक उथल-पुथल हुई है। उन्होंने कहा कि इस सहमति को लागू करने से क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने में मदद मिलेगी और आवाजाही व व्यापार की स्वतंत्रता सुनिश्चित होगी। मोदी ने एक्स पर लिखा, इस संघर्ष के कारण दुनिया भर में गंभीर आर्थिक उथल-पुथल हुई है और कई देशों में जान-माल का नुकसान हुआ है। भारत को उम्मीद है कि इस सहमति को लागू करने से क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने में मदद मिलेगी और आवाजाही व व्यापार की स्वतंत्रता सुनिश्चित होगी। हम उम्मीद करते हैं कि बाकी मुद्दों पर बातचीत से एक टिकाऊ और अंतिम समझौता हो सकेगा। अमेरिका और ईरान के बीच 14 सूत्रीय समझौते पर सहमति बनी है। इस पर आधिकारिक हस्ताक्षर 19 जून को स्विट्जरलैंड के जेनेवा में होगा। समझौते में सभी मोर्चों पर युद्ध बंद करने, होर्मुज से अमेरिकी नाकेबंदी हटाने, 30 दिन में समुद्री व्यापार बहाल करने, होर्मुज खोलने, ईरान की फ्रीज संपत्ति को जारी करने, ईरान से प्रतिबंध हटाने, ईरान द्वारा परमाणु हथियार न बनाने

बिहार-बंगाल में भाजपा की जीत से बढ़ी अखिलेश की बेचैनी, सपा का भविष्य धूमिल दिखने लगा - केशव प्रसाद मौर्य.

लखनऊ ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि बिहार में राजद और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की करारी हार तथा भाजपा की ऐतिहासिक जीत ने उनके माथे की शिकन बढ़ा दी है।

उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख इतने निराश और हताश हो चुके हैं कि उन्हें उत्तर प्रदेश में अपनी पार्टी का भविष्य धूमिल नजर आने लगा है, जिसके चलते वे अवसाद में गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी कर धमकी की राजनीति पर उतर आए हैं। यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि बिहार में राजद और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की करारी शिकस्त तथा भाजपा की ऐतिहासिक जीत ने सपा बहादुर अखिलेश यादव के माथे की शिकन बढ़ा दी है। वे इतने निराश व हताश हैं कि उत्तर प्रदेश में उन्हें अपनी 'जेबी' सपा का भविष्य 'धूमिल' नजर आने लगा है। इसी अवसाद के कारण वे गैर-जिम्मेदाराना राग अलाप कर धमकी के मोड में आ जाते हैं। उन्होंने लिखा कि भारत के मूल में लोकतंत्र है। यहां चुनाव किसी दल की इच्छा से नहीं, बल्कि संविधान के अनुसार हर पांच साल में होते हैं। जनता ही अंतिम निर्णायक है। 2047 के विकसित भारत के संकल्प के साथ भाजपा का कमल लगातार खिलता रहेगा, जबकि नकारात्मकता और हताशा की राजनीति सपा को और कमजोर करती रहेगी।

छपरा-दिल्ली एक्सप्रेस का 19 जून को होगा शुभारंभ, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं मुख्यमंत्री शामिल होंगे

नई दिल्ली (आरएनएस)। आगामी 19 जून 2026 को छपरा से नई छपरा-दिल्ली (आनंद विहार) एक्सप्रेस रेल सेवा का शुभारंभ किया जाएगा। इस संबंध में सारण सांसद सह पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रूडी ने बताया कि सारण की लंबे समय से चली आ रही मांगों के अनुरूप क्षेत्र को एक और महत्वपूर्ण रेल सौगात मिलने जा रही है। आगामी 19 जून को केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव एवं बिहार के माननीय मुख्यमंत्री छपरा पहुंचकर नई छपरा-दिल्ली (आनंद विहार) एक्सप्रेस रेल सेवा का शुभारंभ करेंगे। इस नई रेल सेवा के प्रारंभ होने से सारण एवं आसपास के जिलों के यात्रियों को दिल्ली से सीधा एवं सुविधाजनक संपर्क प्राप्त होगा। सांसद ने बताया कि इस अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी आयोजन में उपस्थित होंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पटना आगमन के उपरांत सोनपुर होते हुए छपरा पहुंचेंगे तथा नई रेल सेवा का उद्घाटन करेंगे। यह ट्रेन सारण एवं आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से बेहतर एवं सुविधाजनक रेल संपर्क उपलब्ध कराएगी।

तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी, विधायक के हस्ताक्षर में धोखाधड़ी के मामले के सिलसिले में कोलकाता में सीआईडी दफ़्तर पहुँचे।

तमिलनाडु के कैबिनेट मंत्री राजेश कुमार और आर. विश्वनाथन के साथ-साथ सांसद प्रवीण चक्रवर्ती ने नई दिल्ली में 10 जनपथ पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की।

विकसित भारत 2047 और फ्रांस 2030 नवाचार संबंधों के लिए समान अवसर प्रदान करते हैं: सरकार

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। सरकार ने सोमवार को कहा कि भारत का विकसित भारत 2047 विजन और फ्रांस की फ्रांस 2030 महत्वाकांक्षा भविष्य उन्मुख नवाचार साझेदारी को मजबूत करने के लिए कई समान अवसर प्रदान करते हैं, जिससे उभरती और परिवर्तनकारी तकनीकों में निवेश के नए अवसर पैदा होंगे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, भारत और फ्रांस ने इसी उद्देश्य से इंडिया-फ्रांस इनोवेशन रोडमैप 2030 को अपनाने पर सहमति जताई है। यह रोडमैप महत्वपूर्ण और उभरती तकनीकों के सह-विकास, भरोसेमंद तकनीकी इकोसिस्टम को मजबूत करने, शिक्षा एवं शोध क्षेत्र में गतिशीलता बढ़ाने और लोगों, पर्यावरण तथा साझा समृद्धि के लिए ठोस परिणाम देने की दिशा में दोनों देशों के सहयोग का मार्गदर्शन करेगा। दोनों देशों ने माना है कि नवाचार आर्थिक मजबूती, सतत विकास, रणनीतिक स्वायत्तता तथा तकनीकी और औद्योगिक संप्रभुता का प्रमुख आधार है।

बयान के अनुसार, भारत और फ्रांस का मानना है कि मजबूत नवाचार साझेदारी दोनों देशों की पूरी नवाचार क्षमता को सामने लाने में मदद करेगी और वैश्विक चुनौतियों के समाधान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

फरवरी 2025 में जारी भारत-फ्रांस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) घोषणा और 2025 व 2026 में क्रमश: फ्रांस और भारत द्वारा आयोजित एआई एक्शन एवं इम्पैक्ट समिट के आधार पर दोनों देशों ने ट्रस्टेड एआई को अपनी नवाचार साझेदारी का केंद्रीय स्तंभ बनाने पर सहमति जताई है।

बयान में कहा गया है कि दोनों देश सुरक्षित, संरक्षित और भरोसेमंद एआई सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करेंगे। ऐसे एआई सिस्टम लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवाधिकारों के अनुरूप होंगे, भेदभाव और गलत सूचना के प्रसार को रोकेंगे तथा सतत विकास के 2030 एजेंडा को आगे बढ़ाने में मदद करेंगे।

भारत और फ्रांस एआई गवर्नेंस के लिए जोखिम-आधारित और एक-दूसरे के अनुरूप नियम विकसित करने हेतु नियामक संस्थाओं, मानक निर्धारण निकायों और तकनीकी विशेषज्ञों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करेंगे।

इसमें उन्नत और जनरेटिव एआई मॉडल भी शामिल होंगे। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि नवाचार और राष्ट्रीय विकास की गति प्रभावित न हो।

दरअसल, एक इवेंट के दौरान जब स्टेज पर परफॉर्मेंस के लिए सिंगर मासूम शर्मा को बुलाया गया, तो उन्हें देखते ही सपना चौधरी मजाकिया लेकिन तीखे अंदाज में बोल पड़ीं, ‘आजकल मेरी आदमियों से बन नहीं रही है। सपना की यह बात सुनकर वहां मौजूद सभी लोग ठहाके लगाकर हंसने लगे। भले ही सपना ने यह बात हंसते हुए कही हो, लेकिन फैंस इसे उनकी मौजूदा शादीशुदा जिंदगी के तनाव से जोड़कर देख रहे हैं।

कॉकटेल 2 की दुनिया से अभी बाहर नहीं आ पाई कृति सेनन, शूटिंग के अनदेखे पलों को किया शेयर

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म कॉकटेल 2 को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है और इसके कलाकार लगातार दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ा रहे हैं। इसी बीच कृति सेनन ने अपने सोशल मीडिया पर एक बीटीएस वीडियो साझा किया, जिसमें फिल्म की शूटिंग के दौरान के कई मजेदार पल देखने को मिले। कृति सेनन ने यह वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। वीडियो में फिल्म के सेट पर बिताए गए कई खूबसूरत पल दिखाई दे रहे हैं।

वीडियो में सबसे ज्यादा ध्यान फिल्म के एक बड़े गाने की शूटिंग पर जाता है। इसमें कृति सेनन और अभिनेता शाहिद कपूर एक साथ नजर आ रहे हैं। दोनों कभी नाचते दिखाई देते हैं तो कभी हंसते और मस्ती करते हुए नजर आते हैं। वीडियो में वह हर पल का भरपूर आनंद लेते दिख रहे हैं।

वीडियो में कृति अलग-अलग लुक्स में दिखाई दे रही हैं। वहीं शाहिद कपूर भी पूरे जोश के साथ नजर आ रहे है। दोनों कलाकारों के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिख रही है। वीडियो में डांस की तैयारी के पल भी दिखाए गए हैं। कलाकार गाने की रिहर्सल करते दिखाई देते हैं। समुद्र किनारे फिल्माए गए कई सीन्स बेहद खूबसूरत हैं। बड़ी संख्या में लोग म्यूजिक पर नाचते

और खुशी मनाते नजर आते हैं।

फिल्म में दूसरी मुख्य अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की भी वीडियो में छोटी सी झलक दिखाई देती है। इसके अलावा, फिल्म के निर्देशक होमी अदजानिया भी नजर आते हैं।

कृति सेनन ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, मेंटली अभी भी फिल्म की दुनिया में हूं। 19 जून से थिएटर्स में कॉकटेल 2 जरूर देखने आए।

कॉकटेल 2 इस साल की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली फिल्मों में से एक है। यह साल 2012 में आई सुपरहिट फिल्म कॉकटेल की अगली कड़ी है। पहली फिल्म को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, इसलिए इस नई फिल्म से भी लोगों को काफी उम्मीदें हैं।

फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म की कहानी में प्यार, दोस्ती, रिश्तों की उलझन और इमोशन्स का मेल देखने को मिलेगा। साथ ही फिल्म में कई खूबसूरत गाने भी शामिल हैं। फिल्म 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सामंथा रुथ प्रभु की 'मां इंटी बंगारम' का ट्रेलर हुआ रिलीज, यूजर्स बोले- एक्शन मोड में क्वीन

सामंथा रूथ प्रभु की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म मां इंटी बंगारम का ट्रेलर आखिरकार तौर पर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में समंथा को पहले से बिल्कुल अलग और एक्शन स्टाइल में देखा जा सकता है। ट्रेलर को लेकर सोशल मीडिया पर यूजर्स अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

विक्रम भट्ट की हॉन्टेड 3डी का चला जादू, तगड़ी ली ओपनिंग, पहले दिन छापे धुआंधार नोट

अगर कहानी में दम नहीं है तो हॉरर फिल्मों के लिए बॉक्स ऑफिस पर टिके रहना मुश्किल होता है, खासकर तब जब वे कई बड़ी फ़िल्मों के साथ रिलीज होती हैं. हालांकि विक्रम भट्ट की नई रिलीज हॉन्टेड 3डी- इकोज ऑफ़ द पास्ट को दर्शकों से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है. कंगना रनौत और मनोज बाजपेयी जैसे दिग्गज सितारों की फिल्मों से क्लैश के बावजूद इसने ओपनिंग डे पर ठीक कमाई कर ली है. चलिए यहां इसके पहले दिन का कलेक्शन जानते हैं. 12 जून को रिलीज़ हुई हॉन्टेड 3डी- इकोज ऑफ़ द पास्ट में महाअक्षय चक्रवर्ती (मिमोह चक्रवर्ती), चेतना पांडे और हेमंत पांडे ने लीड रोल प्ले किया है. ये फ़िल्म एक ऐसे वीकेंड पर रिलीज़ हुई

टीवी के बाद टाइपकास्टिंग से बाहर निकलने और खुद को एक कलाकार के रूप में नए तरीके से साबित करने पर बोलीं हेली शाह

टेलीविजन से दूसरे माध्यमों की ओर कदम बढ़ाने वाले कलाकारों के लिए पहले से बनी धारणाओं को तोडना अक्सर सबसे बड़ी चुनौती होती है। हाल ही में हेली शाह ने टीवी के बाद टाइपकास्टिंग का सामना करने और किस तरह वह अब लोकप्रियता से ज्यादा सार्थक काम पर ध्यान दे रही हैं, इस बारे में खुलकर बात की। टेलीविजन के जरिए मजबूत फैन फॉलोइंग बनाने वाली हेली मानती हैं कि नए फॉर्मेट्स में काम करने के बाद भी टीवी एक्ट्रेस का टैग कई कलाकारों का पीछा नहीं छोड़ता, लेकिन एक सच यह भी है कि सही मौके और लगातार अच्छे प्रदर्शन से, धीरे-धीरे आप लोगों की सोच बदल सकते हैं। अपने सफर के बारे में बात करते हुए हेली कहती हैं, मैं कई सालों तक टेलीविजन का हिस्सा रही हूं और इसके लिए हमेशा आभारी रहूंगी। यह मेरा कम्फर्ट ज़ोन रहा है। लेकिन मैं नए अवसरों को भी तलाशना चाहती हूं, क्योंकि अक्सर मुझे सिर्फ एक टीवी एक्ट्रेस के रूप में देखा गया है।

गुल्लक' जैसी शानदार कास्ट के साथ काम करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। मैं हमेशा से टीवीएफ के साथ काम करना चाहती थी और गुल्लक' के जरिए मेरा ओटीटी डेब्यू होना इसे और

भी खास बनाता है। सबसे अच्छी बात यह है कि शो की सादगी और वास्तविकता आज भी बरकरार है, और दर्शक हर सीजन से उसी तरह जुड़ाव महसूस करते हैं।

उन्होंने आगे कहा, फिलहाल मेरा फोकस सिर्फ अच्छा काम करने पर है। मैं ऐसी जगह नहीं रहना चाहती, जहां बिना किसी वजह के सिर्फ दिखने के लिए मैं इवेंट्स में जाऊं। मैं चाहती हूं कि लोग मुझे मेरे काम की वजह से जानें और पसंद करें।

गौरतलब है कि गुल्लक' हेली शाह के करियर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो रहा है। वह इसे अपने रचनात्मक दायरे को बढ़ाने और एक कलाकार के रूप में अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने की दिशा में अहम कदम मानती हैं।

राम चरण की पेद्दी बॉक्स ऑफिस पर कर रही राज, 200 करोड़ से इंचभर रह गई दूर, 9 दिनों में 56 फीसदी वसूला बजट

राम चरण की पेद्दी ब्लॉकबस्टर ओपनिंग वीकेंड के बाद कलेक्शन में लगातार गिरावट के बावजूद बॉक्स ऑफ़िस पर छाई हुई है स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा वाली यह फ़िल्म बड़ी उम्मीदों के साथ सिनेमाघरों में आई थी और इसने अपने पहले हफ़्ते में शानदार कमाई की. हालांकि वीकडेज़ की वजह से इसकी कमाई में उतार-चढ़ाव बना रहा. वहीं धीमी रफ़्तार होने के बावजूद, पेद्दी इस साल की सबसे बड़ी सफल फ़िल्मों में से एक बनी हुई है और एक और बड़े माइलस्टोन के करीब पहुंच रही है. चलिए यहां जानते हैं पेद्दी ने रिलीज के 9वें दिन यानी दूसरे शुक्रवार को कितना कलेक्शन किया है?

पेद्दी को बॉक्स ऑफिस पर बवाल काटते हुए 9 दिन हो चुके हैं. हालांकि इस दौरान इसकी कमाई भी ऊपर-नीचे होती रही है लेकिन फिर भी ये टिकट खिड़की पर जमी हुई है. वहीं पहले हफ़्ते में इस फ़िल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफ़िस पर 193.55 करोड़ कमा लिए थे. अब अब ये दूसरे हफ़्ते में एंट्री कर चुकी है और रिलीज के 9वें दिन यानी दूसरे फ़ाइडे को इसे कई नई फ़िल्मों से मुकाबला करना पड़ रहा है. लेकिन राम चरण की पेद्दी के आगे कंगना रनौत की भारत भाग्य विधाता से लेकर मनोज बाजपेयी की गवर्नर तक फुस्स साबित हुई हैं. फिलहाल पेद्दी तमाम नई और कुछ हफ़्ते पुरानी फ़िल्मों पर बढ़त बनाए हुए. हालांकि इसके कलेक्शन में भी मंदी जारी है. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक पेद्दी ने रिलीज के 9वें दिन यानी दूसरे फ़ाइडे को 5.15 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ पेद्दी की भारत में 9 दिनों की कुल नेट कमाई अब 198.70 करोड़ रुपये हो गई है. पेद्दी बॉक्स ऑफ़िस पर कब्ज़ा किए हुए है. हालांकि इसकी कमाई हर दिन घट रही है फिर भी इसने रिलीज के 9 दिनों में 198 करोड़ से ज्यादा कमाई कर ली है.

धमाल 4 का धमाकेदार ट्रेलर जारी, एक खजाना, सौ हंगामा, नए ट्विस्ट के साथ लौटी धमाल की टोली

धमाल 4 के मेकर्स ने इस बहुप्रतीक्षित कॉमेडी एंटरटेनर फिल्म का ट्रेलर, रिलीज कर दिया है. यह जंबरदस्त हंसी-मजाक, मजेदार एडवेंचर और भरपूर मस्ती-धमाल का वादा करता है. इस ट्रेलर में धमाल की पसंदीदा टीम फिर से एक साथ नजर आ रही है, जो खजाने की खोज में निकल पड़ी है.

अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम पर धमाल 4 का ट्रेलर अपलोड किया है और कैप्शन में लिखा है, ठीक सामने, आपको वो प्ले बटन दिख रहा है? हां, उसे दबा दीजिए. धमाल 4 का ट्रेलर आ गया है. 10 जुलाई से दुनिया भर के सिनेमाघरों में सबसे बड़ी फैमिली एंटरटेनर फिल्म देखें.

तीन मिनट से ज्यादा लंबे इस ट्रेलर में दर्शकों को न सिर्फ फिल्म के मजेदार किरदारों से मिलवाया गया है, बल्कि डॉल्फिन, बाघ, सांप, मगरमच्छ और ऑक्टोपस जैसे कई तरह के जानवरों की भी झलक दिखाई गई है. साथ ही, भूतों से भरी एक डरावनी हवेली भी है, जिससे पूरी स्थिति और भी ज्यादा मजेदार और उथल-पुथल भरी हो जाती है.

धमाल 4 का ट्रेलर मजेदार है. हालांकि, हम इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि कहानी एक बार फिर वैसी ही है, जिसमें सभी किरदार खजाने की तलाश में हैं.फिल्म में अजय देवगन, अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी, रवि किशन, संजय मिश्रा, उपेंद्र लिमये, अंजलि आनंद, संजीदा शेख और ईशा गुप्ता हैं, और ट्रेलर में हर एक्टर को अच्छा मौका मिला है. हालांकि, रितेश और अंजलि सबसे ज्यादा ध्यान खींचते हैं. साथ ही, बैकग्राउंड में चटनी सॉन्ग भी सुनाई देता है, जो असल में सलमान खान की फिल्म दबंग 2 में था.

ट्रेलर की शुरुआत पुरानी यादों को ताजा करने वाले एक सीन से होती है- ठीक अपने सामने देखिए, क्या पहिए के सामने लाल बटन है? उसे नहीं दबाना था. इसी के साथ अजय देवगन और संजय मिश्रा को जोरदार इलेक्ट्रिक शॉक लगता है, जो आगे आने वाले पागलपन भरे माहौल का अंदाजा दे देता है. इसके बाद पूरी तरह से अफरा-तफरी मच जाती है.

जिसमें रवि किशन का समुद्री डाकू जैसा किरदार खजाने के नक्शे की जोर-शोर से तलाश कर रहा है. धमाल 4 में नई ऑन-स्क्रीन जोड़ियां भी देखने को मिलेंगी, जैसे अजय देवगन के साथ ईशा गुप्ता, अरशद वारसी के साथ संजीदा शेख और रितेश देशमुख के साथ अंजलि आनंद. वहीं, जावेद जाफरी अपने जाने-पहचाने अंदाज में लौटते हुए दिख रहे हैं, जिसमें वे प्यारे और अजीबोगरीब मानव श्रीवास्तव का किरदार निभा रहे हैं.

धमाल 4 में अजय देवगन, अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी और संजय मिश्रा जैसे दमदार कलाकार एक साथ नजर आएंगे. इनके साथ ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लिमये, विजय पाटकर और रवि किशन भी शामिल हैं. कलाकारों की यह शानदार टीम जबरदस्त मस्ती, कॉमेडी-भरी अफरातफरी और लगातार हंसी-मजाक का माहौल तैयार करती है.

गर्मियों में फूलों वाली स्कर्ट के साथ पहनें ये 5 डिजाइनर टॉप, आपको मिलेगा खूबसूरत लुक

गर्मियों में फूलों वाली स्कर्ट पहनना एक बेहतरीन विकल्प है। ये न केवल आपको ठंडक देती हैं, बल्कि स्टाइलिश भी दिखाती हैं। अगर आप सोच रही हैं कि इन स्कर्ट के साथ कौन-सा टॉप पहनें तो चिंता न करें। आज के फैशन टिप्स में हम आपको कुछ ऐसे डिजाइनर टॉप के बारे में बताएंगे, जो फूलों वाली स्कर्ट के साथ बहुत अच्छे लगते हैं और आपके लुक को खास बना सकते हैं।

सफेद शर्ट सफेद शर्ट हमेशा से ही एक अच्छा विकल्प रही है। यह न केवल आरामदायक होती है, बल्कि किसी भी प्रकार की स्कर्ट के साथ अच्छी लगती है। यह आउटफिट आपको एक पेशेवर लुक भी दे सकता है, जो ऑफिस मीटिंग के लिए बढ़िया रहेगा। यह संतुलित लुक देता है और आपके पूरे लुक को खास बनाता है। आप इसे बाहर निकालकर पहन सकती हैं या अंदर से टक कर सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

बैकलेस टॉप

बैकलेस टॉप बहुत ही ट्रेंड में हैं, जो फूलों वाली स्कर्ट के साथ सबसे सुंदर लग सकते हैं। इसके लिए आप पश्चिमी

शैली वाले टॉप चुन सकती हैं या फिर देसी शैली वाले डिजाइनर बैकलेस टॉप भी पहन सकती हैं। लंबी और मिडी, दोनों तरह की स्कर्ट के साथ ऐसे टॉप अच्छे लग सकते हैं। इन दिनों कैमी वाले बैकलेस टॉप भी काफी पसंद किए जा रहे हैं। टॉप की फिटिंग और स्टाइल अपने हिसाब से चुन सकती हैं।

ट्यूब या टैंक टॉप

इन दिनों महिलाओं को फूलों वाली स्कर्ट के साथ जो टॉप पहनना सबसे ज्यादा पसंद है, वे हैं ट्यूब या टैंक टॉप। ट्यूब टॉप बिना बाजु और कंधे वाले टॉप होते हैं, जो काफी ट्रेंडी लुक प्रदान करते हैं। आप हल्के रंग वाली स्कर्ट के साथ हल्के रंग वाले ट्यूब टॉप का मेल बैठा सकती हैं, जो गर्मी के लिए आदर्श रहेगा। इसके अलावा टैंक टॉप हर महिला के पास होते ही हैं, जो इस स्कर्ट पर जंचते हैं।

ऑफ शोल्डर टॉप

अगर आप किसी पार्टी या खास मौके पर फूलों वाली स्कर्ट पहन रही हैं तो ऑफ शोल्डर टॉप बढ़िया चुनाव हो सकते हैं। इससे एक ट्रेंडी लुक मिल जाता है और आप सभी का ध्यान आकर्षित कर सकती हैं। आप दोनों तरफ से ऑफ शोल्डर या वन ऑफ शोल्डर टॉप चुन सकती हैं, जो भी आपको ज्यादा पसंद आए। इसके अलावा इन दिनों ऑफ शोल्डर टी-शर्ट भी काफी चलन में हैं, जिन्हें स्कर्ट के साथ स्टाइल किया जा सकता है।

हॉल्टर नेक टॉप

हॉल्टर नेक टॉप पिछले कुछ सालों से महिलाओं की पहली पसंद बने हुए हैं। इन्हें गर्दन पर बांधकर पहना जाता है और इनकी नेकलाइन बेहद शानदार लुक देती है। इन्हें फूलों वाले प्रिंट वाली स्कर्ट के साथ पहनकर आपको सबसे सुंदर लुक मिलेगा, जो बीच पर जाने के लिए भी अच्छा रहेगा। टॉप की फिटिंग का खास ध्यान रखें, ताकि आपका लुक ज्यादा सुंदर नजर आए।

वजन घटाने के लिए रस्सी कूदते समय न करें ये गलतियां, नहीं नजर आएंगे परिणाम

रस्सी कूदना एक असरदार एक्सरसाइज है, जो वजन घटाने में मदद कर सकता है। हालांकि, कई लोग इसे सही तरीके से नहीं करते, जिससे उन्हें मनचाहे नतीजे नहीं मिल पाते। इस लेख में हम कुछ आम गलतियों पर चर्चा करेंगे, जो लोग रस्सी कूदते समय करते हैं और यह भी जानेंगे कि इनसे कैसे बचा जा सकता है। ये ध्यान देने वाली बातें जानकर आप अपनी एक्सरसाइज को अधिक असरदार बना सकते हैं और जल्दी वजन घटा सकते हैं।

गलत लंबाई की रस्सी का चयन करना

रस्सी कूदते समय सही लंबाई का चयन करना बहुत जरूरी है। अगर रस्सी बहुत लंबी होती है तो इसे घुमाना मुश्किल हो जाता है और इससे कूदने में परेशानी होती है। वहीं, अगर रस्सी बहुत छोटी होती है तो इसके साथ तालमेल बिठाना मुश्किल हो सकता है। अपनी ऊंचाई के अनुसार सही लंबाई की रस्सी चुनें, ताकि आप आराम से कूद सकें और एक्सरसाइज का पूरा लाभ भी उठा सकें।

गलत प्रकार की रस्सी का उपयोग

रस्सी का प्रकार भी बहुत अहम होता है। प्लास्टिक की रस्सी फिसलन भरी होती हैं, जिससे चोट लगने का खतरा रहता है। वहीं, मोटी रस्सी भी सही नहीं रहती, क्योंकि इससे कूदना मुश्किल हो जाता है। बेहतर होगा कि आप हल्की और मजबूत रस्सी का चयन करें, जो आसानी से घूम सके और फिसले नहीं। इसके अलावा रस्सी की पकड़ पर भी ध्यान दें, ताकि हाथों से फिसले नहीं और आप आराम से कूद सकें।

गलत गति बनाए रखना

रस्सी कूदते समय गति बनाए रखना बहुत जरूरी है। अगर आप बहुत तेजी से कूदते हैं तो इससे थकान जल्दी हो सकती है और एक्सरसाइज का पूरा लाभ नहीं मिल पाता। वहीं, अगर धीमी गति से कूदते हैं तो इससे कूदने का मजा कम हो जाता है और परिणाम भी संतोषजनक नहीं मिल पाते। सही गति बनाए रखें, ताकि आप आराम से कूद सकें और एक्सरसाइज का पूरा फायदा उठा सकें।

गलत तरीके से कूदना

रस्सी कूदते समय सही तरीका अपनाना आपको फायदे दे सकता है। हाथों को ज्यादा ऊपर-नीचे न करें, बल्कि कूदते समय केवल कंधों तक ही हाथों को उठाएं। इसके अलावा पैरों को भी ज्यादा ऊपर उठाने की जरूरत नहीं होती, बस जमीन से हल्का-सा ही उठाएं,

शब्द सामर्थ्य -069

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गरिया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अलकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संख्या 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

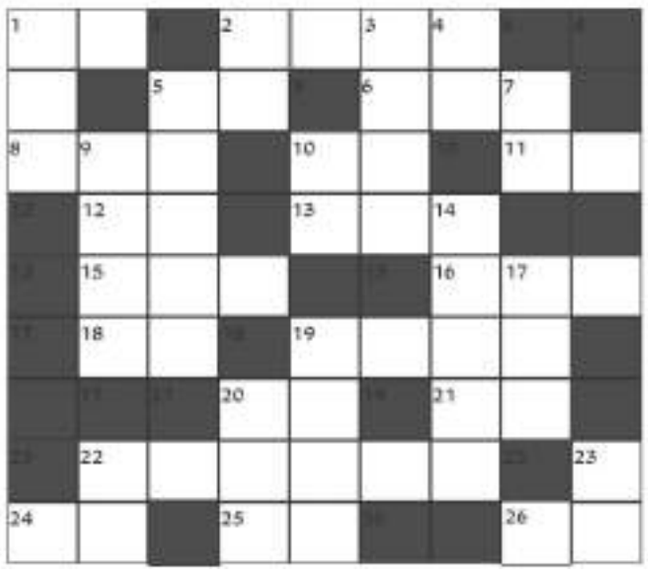

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 068 का हल

स्वा	द	■	सा	म	ना	■	कै	दी
व	■	ख	ल	ना	य	क	■	वा
लं	प	ट	■	ना	क	क	ट	ना
बी	■	प	■	■	■	ड़ी	■	प
■	अ	ट	प	टा	■	■	शा	न
स	ह	■	यो	■	■	र	ति	■
ह	म	■	द	र	ब	द	र	■
म	क	र	■	सी	ल	■	■	■
त	■	क्षा	■	द	वा	खा	ना	■

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी पनागर विपिन बिहारी सिंह ने बताया कि ो विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि एनएँच 30 हाईवे पर कटनी तरफसे नीले रंग की बिना नम्बर की कार में एक व्यक्ति अधिक मात्रा में शराब लेकर जबलपुर तरफआ रहा है। सूचना पर मुखबिर के बताये अनुसार एन एच 30 हरिओम ढाबा के पास दबिश दी गई कुछ समय बाद मुखबिर के बताये अनुसार नीले रंग की कार तेजी से जाती दिखी जिसका पीछा मझौली वायपास के पास रोका गया कार चालक वापस कटनी तरफकार घुमाने लगा जिसे घेराबंदी कर रोका गया

शिविरों में हितग्राहियों को लाभ पहुँचाने के लिए निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के साथ सभी अपर आयुक्त, उपायुक्त और संभागीय अधिकारी भी रहे सक्रिय

भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित जनकल्याण योजना के शिविर में, 3 हजार से अधिक हितग्राही हुए लाभांवित

नगर निगम द्वारा सभी 16 संभागों में शिविरों का किया गया आयोजन-18 जून तक संभागों और वार्डो में लगे रहेगें जनकल्याण योजना के शिविर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भारत सरकार एवं राज्य द्वारा संचालित जनकल्याण योजना के शिविर लगाने के संबंध में प्राप्त दिशा निर्देशों के तहत् नगर निगम द्वारा नागरिकों और हितग्राहियों को शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाने के लिए शहर के सभी 16 संभागों में शिविरों का आयोजन किया गया। इस संबंध में निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि जनकल्याण योजना शिविर आगामी 18 जून तक संभागों में लगे रहेंगे। शिविरों के इसी क्रम में अभी तक 3 हजार से अधिक हितग्राही लाभांवित हुए। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने शहर के समस्त पात्र हितग्राहियों से अपील की है कि वे अपने नजदीकी संभाग कार्यालय में पहुंचकर इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। शिविरों में हितग्राहियों को लाभ पहुँचाने के लिए निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के साथ सभी अपर आयुक्त, उपायुक्त और संभागीय अधिकारी भी सक्रिय रहे।

निगमायुक्त श्री अहिरवार ने बताया कि शिविरों में मुख्य रूप से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना, मुख्यमंत्री संबल योजना, भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार मण्डल योजना, राशन संबंधी पात्रता पर्ची जारी करना एवं सुधार के आवेदनों का त्वरित निराकरण और सहायता प्रदान की जा रही है। हितग्राहियों की सुविधा और मार्गदर्शन के लिए प्रत्येक शिविर में हेल्प डेस्क और रजिस्ट्रेशन काउंटर बनाया गया है। यहाँ हितग्राही अपना जरूरी काम एक ही छत के नीचे करा पा रहे हैं। सामग्र ई-केवायसी और आवश्यक पहचान दस्तावेजों का त्वरित अपडेशन। सामाजिक सुरक्षा पेंशन और राष्ट्रीय परिवार सहायता के नए आवेदन एवं लंबित प्रकरणों का निराकरण। संबल मुख्यमंत्री जन कल्याण योजना, पीएम स्वनिधि और कर्मकार मंडल के लिए ऑन-द-स्पॉट रजिस्ट्रेशन।

महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू एवं निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शिविरों में आने वाले हर हितग्राहियों की समस्या का संवेदनशीलता से समाधान किया जाए। उन्होंने हितग्राहियों से संवाद करते हुए कहा कि शासन की मंशा है कि हर पात्र व्यक्ति तक लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आसानी से पहुंचे। इसी उद्देश्य से सभी 16 संभागों में 18 जून तक ये विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं।

राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में एनएसयूआई का उग्र प्रदर्शन, रानीताल चौक पर पुलिस से झड़प, वाटर कैनन का प्रयोग

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) द्वारा कांग्रेस की राज्यसभा उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में मंगलवार को जोरदार प्रदर्शन किया गया। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष सचिन रजक के नेतृत्व में प्रदेश सरकार एवं चुनावी प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए भाजपा कार्यालय की ओर कूच किया।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन निरस्त किया जाना लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में एनएसयूआई कार्यकर्ता रानीताल चौक से भाजपा कार्यालय की ओर बढ़ रहे थे, तभी पुलिस प्रशासन ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोकने का प्रयास किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक एवं धक्का-मुक्की की स्थिति निर्मित हो गई। कार्यकर्ताओं ने बैरिकेडिंग हटाकर आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिसके चलते मौके पर तनावपूर्ण माहौल बन गया। हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस प्रशासन को वाटर कैनन का प्रयोग करना पड़ा, जिसके बाद प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया गया।

प्रदर्शन के दौरान जिलाध्यक्ष सचिन रजक,राष्ट्रीय सचिव करन तामसेतवार, प्रदेश उपाध्यक्ष अमित मिश्रा,रिजवान अली,नीलेश माहर ,देवकी पटेल,अभिषेक पटेल ,राहुल रजक,मो एजाज ,अभिनव मिश्रा,आयुष पहाड़िया, राहिल पाण्डेय,पुष्पेन्द्र गौतम, आकाश सेन, सौरभ, यश ठाकुर, सुमित कुशवाहा, हिमांशु रजक, सहित बड़ी संख्या मे छात्र उपस्थित थे।

अग्रवाल सभा द्वारा आयोजित समर कैंप

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर अग्रवाल सभा द्वारा आयोजित समर कैंप जिसमे समाज के बच्चों को संस्कृत, संस्कृति एवं भारतीय संस्कारों का जीवन में उल्लेखनीय योगदान के लिए पंडित सौरभ दुबे को अग्रसेन मंडपम विजय नगर में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बच्चों को भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों के महत्व से अवगत कराया गया, जिससे वे अपने जीवन में सदाचार, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा को अपनाकर एक श्रेष्ठ नागरिक बन सकें। साथ ही बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने, अपने लक्ष्य निर्धारित करने तथा शिक्षा के साथ-साथ अच्छे संस्कारों को अपनाने की प्रेरणा दी गई। उन्हें बताया गया कि ज्ञान और संस्कार का समन्वय ही व्यक्ति को सफल, सम्मानित एवं समाज के लिए उपयोगी बनाता है। इस अवसर मैं जबलपुर अग्रवाल सभा के संरक्षक कैलाश अग्रवाल बब्बा जी अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, सचिव रीतेश अग्रवाल, उद्योगपति श्री कैलाश गुप्ता, पूजा अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, ब्रजेश अग्रवाल, के के अग्रवाल, रामबाबू अग्रवाल, विनय केशरवानी अध्यक्ष केसरवानी समाज, श्री संदीप जैन अध्यक्ष जबलपुर विकास प्राधिकरण एवं समस्त अग्रवाल समाज की उपस्थिति रही।

धर्म के आधार पर नहीं, मुद्दों के आधार पर हों चुनाव

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) मध्य प्रदेश के प्रदेश महासचिव इरफानुल हक ने जिला कार्यकारिणी की बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि इसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी पसंद का प्रतिनिधि चुनने का अधिकार प्राप्त है। चुनाव का उद्देश्य जनता की समस्याओं का समाधान करने वाले योग्य, ईमानदार और सक्षम प्रतिनिधियों का चयन करना है, लेकिन जब चुनाव धर्म, जाति या संप्रदाय के आधार पर लड़े जाने लगते हैं तो लोकतंत्र की मूल भावना कमजोर पड़ने लगती है। इसलिए उन्होंने मांग रखी कि चुनाव धर्म के आधार पर नहीं मुद्दों पर होना चाहिए।

बैठक की अध्यक्षता एसडीपीआई के जिलाध्यक्ष मो अजहर ने की। इस अवसर पर जिला सचिव नियाज अहमद अंसारी, उपाध्यक्ष मोहम्मद मुजाहिद आदि सदस्य मौजूद रहे।

सब जेल सिहोरा में बह रही ज्ञान की गंगा निरक्षर बंदियों को साक्षर करके किया जा रहा रिहा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। सिहोरा। सब जेल सिहोरा में निरुद्ध निरक्षर बंदियों को साक्षर करने के लिये संकल्पित जेलर दिलीप नायक के विशेष प्रयास से स्वयंसेवी संस्था गुड न्यूज सर्विस सोसाइटी भोपाल द्वारा अनुग्रह साक्षरता कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत जेल में संस्था के शिक्षक एनी जार्ज द्वारा नियमित कक्षाएं लगायी जा रही हैं जिसमें निरक्षर बंदियों को साक्षर किया जा रहा है। जेलर दिलीप नायक द्वारा बताया गया कि 17 फरवरी 2026 से शुरू साक्षरता कार्यक्रम से 31 मार्च 2026 तक 20 निरक्षर बंदियों को साक्षर किया गया जो वर्तमान में निरन्तर जारी है जो नये बन्दी जेल प्रवेश के समय निरक्षर आते हैं उन्हें जेल से साक्षर करके रिहा किया जा रहा जिससे बंदियों में उत्साह है एवं जेल में सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ है।

नगर निगम की जनसुनवाई में प्राप्त हुए 58 आवेदनों पर हुई त्वरित कार्रवाई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नगर निगम मुख्यालय और सभी संभागीय कार्यालयों में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई नागरिकों के लिए बेहद राहत भरी साबित हुई। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देश पर अपर आयुक्त परवेज कुरैसी, मनोज श्रीवास्तव, जनसुनवाई प्रभारी सहायक आयुक्त वेद प्रकाश जनसुनवाई में पहुंचे और नागरिकों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान कराया। मुख्यालय में आयोजित सुनवाई के दौरान अपर आयुक्त श्री कुरैसी ने लगातार दो घंटे तक नागरिकों की समस्याओं को सुना और प्राप्त सभी 58 आवेदनों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इस अवसर पर सभी आवेदक काम कराकर चेहरों पर मुस्कान लेकर लौटे। जनसुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 58 शिकायतें 16 अतिक्रमण विभाग, 9 भवन शाखा, 1 स्वास्थ विभाग, 4 स्थापना, 4 जल, 14 संपदा शाखा, 2 होर्डिंग, 2 पेंशन, 1 स्टेनो आयुक्त, 1 बाजार, 1 कार्यालय अधीक्षक, 1 विधि, 1 संभाग क्रमांक 10, 1 संभाग क्रमांक 15 की प्राप्त हुईं। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने बिना समय गंवाए सभी शिकायतों को संबंधित विभागों में प्रेषित किया। इसमें से राजस्व और स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कई मामलों का मौके पर ही त्वरित निराकरण कर आवेदकों को तुरंत राहत पहुंचाई गई।

मुख्यालय के साथ-साथ नगर निगम के सभी संभागीय कार्यालयों में भी जनसुनवाई की गयी। संभाग स्तर पर कुल 44 आवेदन प्राप्त हुए। संभागीय अधिकारियों ने सक्रियता दिखाते हुए सभी 44 आवेदनों का निराकरण मौके पर ही सुनिश्चित किया। जनसुनवाई के दौरान उपायुक्त श्रीमती अंकिता जैन, सहायक आयुक्त श्रीमती रचयिता अवस्थी, गुलाब इमवाती, सुनील दुबे, विष्णु, देवेंद्र पटेल, असद, सतीश मिश्रा, व समस्त विभागीय प्रमुख व प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ओबीसी आरक्षण के प्रकरणों की सुनवाई 24 जून से हाईकोर्ट में प्रतिदिन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। ओबीसी आरक्षण के 91 मामले हाईकोर्ट की डिवीजन बैच क्रमांक 2 के जस्टिस आनंद पाठक एवं जस्टिस भगवती प्रसाद शर्मा की खंडपीठ मे सुनवाई हेतु नियत थे। लंच के बाद 2ः30 पर वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने कोर्ट को अवगत कराया की पूर्व के आदेशानुसार उक्त समस्त मामलो की सुनवाई 2ः30 से नियत हैं, अर्थात इन सभी मामलो की सुनवाई आरम्भ की जाए। अन्यथा सुप्रीम कोर्ट के आदेश दिनाँक 18/02/2026 के आलोक मे समस्त अंतरिम आदेश रिक्त कराने हेतु दायर आवेदनो पर सुनवाई की जाए, क्योंकि लाखो अभ्यर्थी विगत 7 वर्षो से नियुक्ति का इन्तजार कर रहे हैं । वरिष्ठ अधिवक्ता के उक्त तर्कों को कोर्ट ने बेहद गंभीरता से लेते हुए कहा की मुख्य याचिका क्रमांक 5901/2019 के अधिवक्तागण अनुपस्थित हैं तथा प्रकरण पहली बार इस बैच मे लिस्ट हुए हैं। इसलिए मामलो की अगली सुनवाई आगामी 24 जून से प्रतिदिन की जाएगी। ओबीसी वर्ग के अभ्यर्थियों की ओर से दायर याचिकाओ मे वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर, विनायक प्रसाद, परमानद साहू, अभिलाषा लोधी पैरवी कर रहे हैं।

शिक्षकों ने प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि) ।मध्यप्रदेश सहित देश के लाखों शिक्षकों नियुक्तियां शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 के पूर्व राज्य सरकारों की स्थापित नीतियों एवं चयन हेतु निर्धानियत नियमावली के अंतर्गत हुई थी। पुराने अनुभवी शिक्षकों को टी.ई.टी. अनिवार्यता से पूर्णत: मुक्त करने व शिक्षा के अधिकार अधिनियम में संशोधति कानून विधेयक के द्वारा 20 वर्षो से अधिक की शिक्षकीय सेवा प्रदान कर चुके अनुभवी शिक्षकों की पात्रता परीक्षा नहीं लिए जाने बावद मध्यप्रदेश शिक्षक कॉंग्रेस ने आज प्रधानमंत्री के नाम जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि उक्त कानून परिधी से देश के लाखों शिक्षकों के साथ मध्यप्रदेश के 1.50 लाख शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं। संगठन के जिलाध्यक्ष विश्वदीप पटैरिया, इन्द्रपुरी गोस्वामी, प्रदीप पटेल, मनीषा सोनी परिश्मा पटेल, रवि तनूजा, मदन मनिहार, सतीश चड़ार, अजय रजक, अरूण दीवान, सुरेश कोरी, राणा फिरदोष, शबाना अंजुम, अंजनी बडोनिया, वंदना कोरी, शिखा शांडिल्य, शीतल पटेल आदि पदाधिकारी उपस्थित थे।

समरसता सेवा संगठन इस वर्ष करेगा समरसता के प्रवाह के साथ सेवा और संगठन पर केंद्रित आयोजन

समरसता के रंगों में समाहित होंगे कई नवीन रंग

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भारतीय आध्यात्म मनीषा के सैद्धांतिक आधार 'वसुधैव कुटुंबकम' के वैश्विक भाव को साकार करने के लिए 'समरसता' नामक जिस मानवीय मूल्य की मूलभूत आवश्यकता है, उसे साकार करने की दिशा में सब सबको जाने - सब सबको माने के सूत्र के साथ समरस भारत से समर्थ भारत के ध्येय को लेकर समाज को एक सूत्र में पिरोने का कार्य कर रहे 'समरसता सेवा संगठन' ने वर्ष 2026 - 27 की कार्ययोजना में कई नवीन बिंदुओं को शामिल किया है।

संगठन के सदस्यों की आम राय से मौजूदा वर्ष के लिए बनी कार्ययोजना में पारंपरिक आयोजनों के साथ नए आकर्षणों पर भी जोर दिया गया है। इस वर्ष के आयोजनों में 'समरसता' के प्रवाह के साथ 'सेवा' और 'संगठन' के विस्तार पर फोकस है। इस आशय की जानकारी 'समरसता सेवा संगठन' के अध्यक्ष पवन पांडे, सचिव मनोज सेठ, आयोजन प्रभारी उज्जवल पचौरी ने संयुक्त रूप से पत्रकार वार्ता में दी। पत्रकार वार्ता में बताया गया कि बीते तीन वर्षों में संगठन के निवृत्तमान और आजीवन संस्थापक अध्यक्ष श्री संदीप जैन जी ने विचार प्रवाहना और प्रकृति आराधना के माध्यम से समरसता का सफल संदेश दिया। विगत तीन वर्षों में समरसता सेवा संगठन ने अपने आराध्य, महापुरुषों, देवियों की जन्म जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया जिसमे प्रथम वर्ष समाज के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया गया, दूसरे वर्ष में समाजसेवा का कार्य कर रहे वरिष्ठ जनों सम्मान किया गया, तीसरे वर्ष में जयंतियों पर विचार गोष्ठी के साथ ही पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को लेकर पौधारोपण किये गए. समरसता सेवा संगठन के संस्थापक अध्यक्ष श्री संदीप जैन के मार्गदर्शन में नई कार्यकारिणी ने इस वर्ष 2026-27 के कैलेंडर में प्रकृति पूजा के साथ मानव सेवा और संगठन विस्तार की कार्ययोजना बनाई है। महादेव पूजन भी गुरु वंदन भी - वार्षिक कार्ययोजना की जानकारी देते हुए बताया गया कि इस वर्ष समरसता नामक मूल्य के प्रणेता भगवान शिव का विराट पूजन-अर्चन होगा तो वहीं जीव को ईश्वर से मिलाने वाले गुरुजनों का सामूहिक चरणवंदन भी होगा। पवित्र सावन माह के तीसरे सोमवार को विराट 'समरसता शिवलिंग निर्माण एवं श्री महारुद्राभिषेक महामहोत्सव' का आयोजन किया जाएगा। सर्वजाति समाज के लोग एक साथ आशुतोष भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर इस महाअनुष्ठान में सहभागिता करेंगे। अध्यक्ष-सचिव ने बताया कि गुरुपूर्णिमा की पूर्व संध्या पर संस्कारधानी वासियों को अपने-अपने गुरु जनों की पूजा-अर्चना एक ही स्थान पर करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। धर्मक्षेत्र के सभी गुरुजन समरसता सेवा संगठन के मंच पर विराजमान होंगे। विधि-विधान से गुरुशक्ति का पूजन-वंदन होगा। आयोजन में आम जन भी गुरुवंदन करेंगे।

भव्य होंगे पारंपरिक आयोजन -समरसता सेवा संगठन की पहचान बन चुके पारंपरिक आयोजन और भव्यता तथा दिव्यता के साथ मनाए जाएंगे। बताया गया कि शिवरुद्रामहाभिषेक के दिन ही 'समरसता कजलियां महोत्सव ' के पात्र वितरित होंगे। इन पात्रों में सर्वजाति समाज के लोग कजलियां बोएंगे और फिर नए उत्साह के साथ कजलियां मिलन समारोह में शामिल होंगे। इस आयोजन के पूर्व 'समरसता भृगु वाटिका' में प्रकृति पूजन-आराधन करते हुए 'वृहद समरसता पौधारोपण' की संयोजना की जाएगी। बीते वर्षों की तुलना में और अधिक संख्या में फलदार-छायादार पौधों का रोपण कर धरती मैया के प्रकृति यज्ञ में बतौर आहुति सभी सदस्य अपनी सहभागिता देंगे। बताया गया कि मार्च में रंगपंचमी के दौरान होने वाले चर्चित 'समरसता होली मिलन' को नया स्वरूप देने की कार्ययोजना बनाई गई है। इस आयोजनों में देश भर की सांस्कृति छटा से संस्कारधानी वासी रूबरू होंगे।

शक्ति आराधना से समरसता - पत्रकार वार्ता में बताया गया कि समरसता सेवा संगठन का मूल उद्देश्य ही समाज में समरसता का भाव जागृत करना है। इस जागृति की ज्योत प्रज्वलित करने 'नारी शक्ति' और 'युवा शक्ति' को केंद्र में रखते हुए कार्यक्रमों की संयोजना की गई है इस वर्ष महिला शक्ति को समर्पित 'समरसता गरबा महा महोत्सव' का जहां आयोजन किया जाएगा तो वहीं युवा शक्ति में समरसता का भाव जागृत करने 'समरसता क्रिकेट प्रीमियम लीग' का भी आयोजन करने का निर्णय लिया गया है। समरसता गरबा महोत्सव में शक्ति आराधना की पवित्रता को साकार करते हुए महिलाओं का शक्ति वंदन होगा तो वहीं सर्वजाति समाज के युवाओं को खेल के माध्यम से संगठित करते हुए उनमें समरसता की अलग जगाई जाएगी।

जयंती के साथ दिवसों का आयोजन - नई कार्ययोजना के बारे में सविस्तार जानकारी देते हुए बताया गया कि इस वर्ष जयंतियां मनाने के साथ ही राष्ट्रीय दिवसों को आधार बना कर मानव सेवा की संकल्पना को साकार करने का प्रयास किया जाएगा। मधुमेह दिवस - नशामुक्ति दिवस पर जहां आम जनों के लिए जन जागरण कार्यक्रम होंगे तो वहीं जांच शिविर का आयोजन कर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सचेत करने का कार्य भी समरसता सेवा संगठन करेगा। जन जातीय गौरव दिवस, परिवार दिवस पर गो रक्षण-संरक्षण, गोसेवा, कृषि विकास की दिशा में आयोजन होंगे। आयुर्वेद दिवस पर भारतीय चिकित्सा की विभिन्न पद्धतियों को शामिल करते हुए राष्ट्रीय स्तर का आयोजन होगा।

जबलपुर। बरगी के मानेगांव वेयर हाउस के पास एक व्यक्ति डीजल की फेरी करते पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से डीजल भरी केन जब्त की। बरगी पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर मानेगांव में वेयर हाउस के पास एक व्यक्ति भारी मात्रा में ज्वलनशील पदार्थ डीजल लिये ग्राहको को विक्रय करते पकड़ा गया है। पुलिस ने मानेगांव धाधरा रोड में वेयर हाउस के पास आरोपी के कब्जे से प्लास्टिक के 6 डिब्बे 30-30 लीटर डीजल बरामद किया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अनिल पटेल, मानेगांव बताया।

राजुल डुप्लेक्स में गोलीकांड, महिला और पुरुष की मौत, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। शहर के गोरखपुर थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक युवक ने अपनी महिला बिजनेस पार्टनर की गोली मारकर हत्या कर दी और इसके बाद खुद को भी गोली मार ली। घटना में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस प्रारंभिक जांच में कारोबार और पैसों के लेनदेन को विवाद की वजह मान रही है।

जानकारी के अनुसार, मृतकों की पहचान शक्ति कोहली और दीपेश राठौर के रूप में हुई है। दोनों ने कुछ समय पहले साझेदारी में एक ब्यूटी पार्लर सेंटर शुरू किया था। सोमवार दोपहर शक्ति अपने कमरे पर मौजूद थी, तभी दीपेश वहां पहुंचा। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जो देखते ही देखते इतना बढ़ गया कि दीपेश ने पिस्टल निकालकर शक्ति को गोली मार दी। गोली लगते ही शक्ति की मौके पर मौत हो गई। इसके बाद दीपेश ने स्वयं को भी गोली मार ली।

गोली की आवाज सुनकर पहुंचे लोग

फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और

तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही गोरखपुर थाना पुलिस, वरिष्ठ अधिकारी और एफएसएल टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। मौके से हथियार समेत अन्य महत्वपूर्ण सामग्री बरामद की गई है।

मोबाइल और दस्तावेजों की जांच

पुलिस ने दोनों के मोबाइल फोन और अन्य दस्तावेज जब्त कर लिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। मोबाइल कॉल डिटेल, चैट और वित्तीय लेनदेन की भी पड़ताल की जा रही है, ताकि घटना के पीछे की वास्तविक वजह सामने आ सके।परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप मृतका शक्ति कोहली के जीजा शरद जाटव ने बताया कि दीपेश राठौर पहले फर्नीचर व्यवसाय से जुड़ा था। उसने शक्ति को भरोसे में लेकर ब्यूटी पार्लर के लिए आकर्षक इंटीरियर तैयार करने और उसे शहर का सबसे बेहतर पार्लर बनाने का सपना दिखाया था। इसी दौरान दोनों के बीच बिजनेस पार्टनरशिप हुई। परिजनों के मुताबिक, पिछले छह से सात महीनों से दोनों की कारोबारी मुलाकातें लगातार हो रही थीं। बाद में दीपेश के बारे में जानकारी जुटाने पर उसके खिलाफ आपराधिक मामले होने की जानकारी मिली। परिजनों का दावा है कि वह एक दुष्कर्म प्रकरण में जेल भी जा चुका था। इसके बाद शक्ति ने उससे दूरी बनाना शुरू कर दिया था।जांच के बाद सामने आएगी पूरी सच्चाई फिलहाल पुलिस सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि फॉरेंसिक रिपोर्ट, मोबाइल डेटा और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ही घटना के पीछे की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। इस दोहरे हत्याकांड और आत्महत्या की घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

नर्मदा नदी के पुल पर तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवारों को रौंदा, 2 की मौत, 1 महिला गंभीर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। एमपी के जबलपुर-नागपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में एक तेज रफ्तार डंपर ने दो युवकों को रौंदकर मौत के घाट उतार दिया। वहीं एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है। बताया जाता है कि सोमवार 15 जून की दोपहर नेशनल हाईवे के गौर पुलिस चौकी और बरगी थाना क्षेत्र के बीच पडऩे वाले नर्मदा नदी के पुल पर एक तेज रफ्तार डंपर एमपी34 जेडएफ 6543 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बरगी से आ रहे बाइक सवार युवकों व महिला को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं बाइक में आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही गौर चौकी प्रभारी नितिन पांडे तत्काल ही मौके पर पुलिस बल के साथ पहुंच गए और हादसे में गंभीर रूप ले घायल महिला को मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया। चूंकि दुर्घटना जिस जगह हुई, वह बरगी थाना क्षेत्र में आता है। लिहाजा मौके पर बरगी थाना का बल भी पहुंचा। जिन्होंने ने मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया।

सिद्धबाबा मैदान के पास सनसनी, युवक की छाती पर अड़ाई पिस्टल, बाल-बाल बची जान

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। घमापुर थाना क्षेत्र में आने वाले सिद्धबाबा रामलीला मैदान के सामने देर रात गाली-गलौज करने से मना करने पर 4 बदमाशों ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर सनसनी फैला दी। मुख्य हमलावर शुभम सोनकर ने 30 वर्षीय पीड़ित अनमोल डेनियल की छाती पर पिस्टल अड़ाकर ट्रिगर दबा दिया, लेकिन अचानक मिसफायर होने से उसकी जान बच गई। इसके बाद आरोपियों ने युवक को दबोचकर पिस्टल की बट से मारकर उसका सिर फोड़ दिया। लहूलुहान हालत में अनमोल को तुरंत मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची और घायल के बयानों के आधार पर मुख्य आरोपी शुभम सोनकर और उसके 3 अज्ञात साथियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(ए), 109(1) और 3(5) के तहत संगीन केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिद्धबाबा रामलीला मैदान का निवासी अनमोल डेनियल एक निजी कंपनी में काम करता है। रविवार की रात करीब 10 बजे वह रामलीला मैदान के सामने स्थित कल्लू के भतीजे की दुकान पर अंडा खाने गया था। जब अनमोल अंडा खाकर अपनी मोटरसाइकिल से घर वापस जाने के लिए निकला, तभी दुकान के पास खड़े कुछ युवक आपस में बहुत तेज आवाज में गाली-गलौज कर रहे थे। अनमोल ने आम रास्ता और सार्वजनिक स्थान होने के कारण उन्हें शालीनता से गाली बकने से मना किया।

नाम सुधार सूचना

मैं RITA KHARE W/O ROSHAN KUMAR KHARE यह सूचित करती हूँ कि मेरा का पासपोर्ट नं0 M1020359 जारी दिनांक 21/08/2014 वैधता दिनांक 20/08/2024 में मेरे पति का नाम ROSHAN KHARE लेख है जबकि मेरे पति का नाम ROSHAN KUMAR KHARE है, जो कि उनके पासपोर्ट, एवं मेरे आधार कार्ड में लिखा हुआ है। अत: मेरे पति का नाम ROSHAN KUMAR KHARE ही पढा-लिखा एवं समझा जावें।
पूर्व का नाम - ROSHAN KHARE
वर्तमान नाम- ROSHAN KUMAR KHARE
पता - B-6, KUCHAINI PARISAR, DAMOH NAKA, JABALPUR 482001

नाम सुधार सूचना

मैं PARTH KHARE S/O ROSHAN KUMAR KHARE यह सूचित करता हुँ कि मेरा पासपोर्ट नं0 M0676420 जारी दिनांक 12/08/2014 वैधता दिनांक 11/08/2019 में मेरा पिता का नाम ROSHAN KHARE लेख है जबकि मेरा पिता का नाम ROSHAN KUMAR KHARE है, जो कि मेरे 10वी अंक सूची, आधार कार्ड में लिखा हुआ है। अत: मेरा पिता के नाम को ROSHAN KUMAR KHARE ही पढा-लिखा एवं समझा जावें।
पूर्व का नाम - ROSHAN KHARE
वर्तमान नाम- ROSHAN KUMAR KHARE
पता - B-6, KUCHAINI PARISAR, DAMOH NAKA, JABALPUR 482001

मुक्तिधाम में छिपा बैठा था पिस्टल खोंसा युवक

जबलपुर। रानीताल मुक्तिधाम के पास एक युवक पिस्टल खोंसकर बैठा हुआ था। पुलिस ने छापा मारकर आरोपी युवक को भागने के पहले धर दबोचा। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से पिस्टल सहित कारतूस बरामद किए। पुलिस आरोपी से पिस्टल लाने के पते-ठिकाने को खंगाल रही है। लार्डगंज थाना प्रभारी नवल आर्य ने बताया कि सोमवार रात मुखबिर से सूचना मिली कि रानीताल शमशान घाट के पास एक व्यक्ति अवैध रूप से देशी पिस्टल लिये घूम रहा है। सूचना पर मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी। पुलिस को देखकर आरोपी युवक ने भागने का प्रयास किया, जिसे घेराबंदी कर पकड़ा। उसने अपना नाम शिवम उर्फ शुभम नामदेव निवासी यादव कॉलोनी बताया। तलाशी लेने पर पहने हुये जींस के वायें जेब में एक देशी पिस्टल जिसकी मैगजीन में एक कारतूस लोड मिला। पुलिस उक्त पिस्टल कारतूस कहां से और कैसे प्राप्त किया, के सम्बंध में पूछताछ कर रही है।

मुन्ना होटल के पास चले चाकू युवक गंभीर रूप से घायल

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। गाजीमिया मुन्ना होटल के पास चाय की दुकान चलाने वाले एक 18 वर्षीय युवक पर दो बदमाशों ने महज ?500 की अड़ीबाजी ;पार्टी के पैसेद्ध और सिगरेट न देने पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

गोहलपुर पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसारए पीड़ित साहिल अंसारी ;उम्र 18 वर्षद्धए निवासी गाजीमिया मुन्ना होटल के पासए वहीं होटल के बाजू में अपनी चाय की दुकान चलाता है। रविवारए 14 जून की रात करीब 12रू30 बजे साहिल रोज की तरह अपनी चाय की दुकान बंद करके बाहर खड़ा हुआ था। इसी दौरान चांदनी चौक निवासी हारून और साहिद उसके पास पहुंचे। दोनों आरोपियों ने आते ही साहिल के साथ गाली.गलौज शुरू कर दी और जबरन सिगरेट पिलाने का दबाव बनाने लगे। सिगरेट मांगने के साथ ही आरोपियों ने साहिल से पार्टी करने के नाम पर ?500 रंगदारी ;अड़ीद्ध की मांग की। जब साहिल ने गालियां देने से मना किया और पैसे देने में असमर्थता जताईए तो दोनों आरोपी भड़क गए और हाथ.मुक्कों से उसके साथ बेरहमी से मारपीट करने लगे। इसी बीच आरोपी हारून ने अपने पास रखा धारदार चाकू निकाला और साहिल पर जानलेवा हमला करते हुए उसके बाएं पैर की जांघ में घोंप दिया। साहिल के चीखने.चिल्लाने पर दोनों आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देते हुए अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। लहूलुहान हालत में पीड़ित साहिल अंसारी ने गोहलपुर थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13,मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/13/मुख्यालय 2026/27/एम/79 दिनांक 16.06.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती दिव्यांजली नैनीवाल, पति श्री कुणाल खण्डेवाल** ने मकान नं. 948 **वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड,** भूतल 145 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13,मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/13/मुख्यालय 2026/27/एम/78 दिनांक 16.06.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती आयशा सिद्धीकी, पति स्व. श्री अजीम सिद्धीकी** ने मकान नं. 2778, 2779 का भाग **वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड,** खुली भूमि क्षेत्रफल 1150 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13,मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/13/मुख्यालय 2026/27/एम/77 दिनांक 16.06.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री विजय कान्त शाह, पिता स्व. श्री रोबिन शाह** ने मकान नं. 1518 **वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती वार्ड,** भूतल 214 व.फु., प्रथमतल 214 व.फु., **खसरे की नकल, रिलीजडीड** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2026/27/एम/89 दिनांक 16.06.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **शीतल लंके, सचिन लंके, पिता स्व. श्री शरद रघुनाथ लंके** ने मकान नं. 7392312 राम नगर पिन. नं. 1000408692 **वार्ड पं. मोतीलाल नेहरू वार्ड,** क्षेत्रफल 1800 व.फु., भूतल 900 व.फु., प्रथमतल 150 व.फु., , **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2026/27/एम/88 दिनांक 16.06.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री अजय सिंह राजपूत, पिता स्व. श्री जमना प्रसाद राजपूत** ने मकान नं. 1469/1 सरस्वति कालोनी, चेरीताल पिन. नं. 1000376685 **वार्ड चेरीताल वार्ड,** क्षेत्रफल 360 व.फु., भूतल 350 व.फु., प्रथमतल 350 व.फु., , **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-14, विजय नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.क्र./14/विजयनगर 2026/27/एम/87 दिनांक 16.06.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती शोभा ठाकुर, पति स्व. श्री दिनेश राजपूत** ने मकान नं. 1469/1 सरस्वति कालोनी, चेरीताल पिन. नं. 1000376685 **वार्ड चेरीताल वार्ड,** क्षेत्रफल 360 व.फु., भूतल 350 व.फु., प्रथमतल 350 व.फु., , **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशनं की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक-14 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-14 दमोहनाका नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अ./03/2026-27/एम 123/ दिनांक 16.06.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती संध्या सोनी, पति- अंकित सोनी** संपत्ति पिन नं. 1000601940, भवन क्रं. बी-35 , **वार्ड ग्वारीघाट वार्ड ,** प्लाट क्षेत्रफल 1210 व.फु., भूतल 693 व.फु., प्रथमतल 698 व.फु., **दानपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत भवन क्रं. बी-35 , **वार्ड ग्वारीघाट वार्ड ,** पंजीकृत गृह स्वामी कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार- श्री नीरज जिंदल, पिता- एस.के. जिंदल, के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिस किसी को उक्त प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय **संभाग क्रमांक-03 शक्ति भवन रोड, रामपुर** नगर निगम जबलपुर में प्रमाण दस्तावेजो सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं-03 रामपुर नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अ./03/2026-27/एम 122/ दिनांक 15.06.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती गीता बाई पटेल, पति स्व. श्री कृष्ण कुमार पटेल,** संपत्ति पिन नं. 1000520180, भवन क्रं. 402/2 , **वार्ड शंकर शाह नगर वार्ड ,** भूतल 100 व.फु., **मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत भवन क्रं. 402/2 , **वार्ड शंकर शाह नगर वार्ड ,** पंजीकृत गृह स्वामी कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार- श्रीमती बेनी बाई पटेल, पति- लालमन पटेल, के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिस किसी को उक्त प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय **संभाग क्रमांक-03 शक्ति भवन रोड, रामपुर** नगर निगम जबलपुर में प्रमाण दस्तावेजो सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं-03 रामपुर नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अ./03/2026-27/एम 121/ दिनांक 15.06.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती सुधा पटेल, पति स्व. श्री श्याम पटेल,** संपत्ति पिन नं. 1000520180, भवन क्रं. 402/2 , **वार्ड शंकर शाह नगर वार्ड ,** भूतल 100 व.फु., **मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत भवन क्रं. 402/2 , **वार्ड शंकर शाह नगर वार्ड ,** पंजीकृत गृह स्वामी कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार- श्रीमती बेनी बाई पटेल, के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिस किसी को उक्त प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय **संभाग क्रमांक-03 शक्ति भवन रोड, रामपुर** नगर निगम जबलपुर में प्रमाण दस्तावेजो सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं-03 रामपुर नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अ./03/2026-27/एम 120/ दिनांक 15.06.2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती संगीता पटेल, पिता- स्व. श्री राजेश पटेल** संपत्ति पिन नं. 1000599538, भवन क्रं. 525/6 , **वार्ड ग्वारीघाट वार्ड ,** भूतल 1856 व.फु., **मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत भवन क्रं. 525/6 , **वार्ड ग्वारीघाट वार्ड ,** पंजीकृत गृह स्वामी कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार- श्री राजेश पटेल, के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिस किसी को उक्त प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय **संभाग क्रमांक-03 शक्ति भवन रोड, रामपुर** नगर निगम जबलपुर में प्रमाण दस्तावेजो सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं-03 रामपुर नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/एम. 110/ 2026-27 दिनांक 16.06.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **श्रीमती दीपा जॉन, पति- अनिल बेनेटिक जॉन** ने भवन क्रं. 680/392, पिन क्र. 1000591121 **वार्ड क्र. 70, वार्ड लाला लाजपत राय वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्रीमती सरिता दूबे, पति- चन्द्रप्रकाश दूबे, क्षेत्रफल भूमि 1000 व.फु., भूतल 823 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र, आधार कार्ड** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/एम. 108/ 2026-27 दिनांक 15.06.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **1. श्री शंशाक श्रीवास्तव, पिता- नरेश कुमार श्रीवास्तव, 2. प्रियंका श्रीवास्तव, पिता- राम किशोर श्रीवास्तव** ने भवन क्रं. 26/57 नया 14, पिन क्र. 1000590490 **वार्ड क्र. 70, वार्ड लाला लाजपत राय वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्रीमती नीरजा ठाकुर, पति श्री नरसिंह ठाकुर, क्षेत्रफल भूमि 1500 व.फु. , **विक्रयपत्र, आधार कार्ड** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/एम. 107/ 2026-27 दिनांक 15.06.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **काबिज श्रीमती अलका कोरी, पति स्व. श्री आनंद कोरी** ने भवन क्रं. ....., पिन क्र. 1003152676 **वार्ड क्र. 63, वार्ड शहीद भगत सिंह वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्री आनंद कुमार कोरी, पिता स्व. श्री लल्लू प्रसाद, भूतल 527 व.फु. आर.सी.सी. जी.एफ., , **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-10,रांझी नगर निगम जबलपुर

पत्र क्रं.-सं.अधि./10 / रांझी/ 2026/एम. 106/ 2026-27 दिनांक 15.06.2026

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, **काबिज श्रीमती रश्मि महोबिया, पति- दिलीप कुमार महोबिया** ने भवन क्रं. 4050/52 का भाग, पिन क्र. 10000404478 **वार्ड क्र. 64, वार्ड महषि सुदर्शन वार्ड ,** के पंजीकृत गृह स्वामी (कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार) पंजीकृत स्वामी श्रीमती सुमतिया बाई कोल, पति स्व. श्री कढोरी लाल कोल, भूतल 300 व.फु. आर.सी.सी. जी.एफ., प्रथमतल 300 व.फु. आर.सी.सी. एफ.एफ. , **शपथपत्र, अनुबंध पत्र, आधार कार्ड** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु/ शास. नजूल भूमि/ भवन में काबिज नामातंरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर **कार्यालय संभाग क्रमांक -10 रांझी** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग-10 रांझी नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से माँ रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिन्टर्स, तथा 68/1, लक्ष्मीपुर विवेकानन्द वार्ड, मुश्कान प्लाजा के पीछे, एम.आर.-4 रोड, उखरी जबलपुर म.प्र. से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 सांठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। भोपाल मो.नं. 7879652007, जबलपुर मो.नं.9300696096